राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 01 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-222 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

ट्रंप के शांति प्रस्ताव का पीएम मोदी ने किया स्वागत कहा- अमन का बेहतर रास्ता

नई दिल्ली

गाजा में शांति के अमेरिकी प्रस्ताव का पीएम नरेंद्र मोदी ने सराहना की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के 20-प्वाइंट पीस प्लान (शांति प्रस्ताव) का स्वागत किया। इस प्लान का मकसद इजराइल-गाजा युद्ध को समाप्त करना है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन ने तन्याहू से मुलाकात के कुछ ही घंटे बाद यह घोषणा की। इस ऐलान पर पीएम मोदी ने कहा कि यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ बड़े पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यावहारिक रास्ता है। बता दें कि स्थानीय समयानुसार सोमवार को, ट्रंप ने नेतन्याहू के साथ गाजा में युद्ध को समाप्त करने की इस योजना पर चर्चा की। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 20-प्वाइंट प्लान जारी किया। इसमें कहा गया कि अगर इजराइल और हमास दोनों इस योजना को स्वीकार कर लें, तो तुरंत संघर्ष समाप्त किया जाएगा। योजना स्वीकार किए जाने पर इजराइली सेना को निर्धारित रेखा पर वापस लौटना होगा ताकि बंधकों की रिहाई की तैयारी की जा सके। इस प्रस्ताव को लेकर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, हम राष्ट्रपति डॉनल्ड जे. ट्रंप की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह फिलिस्तीनी और इजराइली लोगों के साथ-साथ पश्चिम एशिया क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और सतत शांति, सुरक्षा और विकास के लिए एक व्यावहारिक रास्ता है। हम आशा करते हैं कि सभी संबंधित लोग राष्ट्रपति ट्रंप की पहल के पीछे एकजुट होंगे और इस प्रयास का समर्थन करेंगे ताकि संघर्ष समाप्त हो और शांति स्थापित हो सके। अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी ने आशा व्यक्त की कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रंप की पहल के लिए एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने तथा शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव के अंतर्गत सभी सैन्य गतिविधियां, जिनमें हवाई हमले और तोपखाना शामिल हैं, को रोका जाएगा और युद्ध

रेखाएं तब तक स्थिर रहेंगी, जब तक चरणबद्ध वापसी की शर्तें पूरी नहीं होतीं। योजना का मकसद फिलिस्तीन में एक अस्थायी प्रशासनिक बोर्ड स्थापित करना भी है, जिसका नेतृत्व ट्रंप और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर करेंगे।

उड़ान भरने से पहले एयर इंडिया की फ्लाइट से यात्रियों को उतारा, कारण किसी को नहीं मालूम

नई दिल्ली दुबई से दिल्ली के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट उड़ान भरने ही वाली थी कि अचानक उसे रद्द करने की घोषणा कर दी गई। यात्रियों को दो विकल्प दिए गए या तो किसी दूसरी फ्लाइट से चले जाएं अथवा एयर इंडिया किराया वापस देने को तैयार है। इस घोषणा के बाद यात्रियों में हड़कंप मचा और उन्होंने जल्दबाजी में अपना सामान उठाकर फ्लाइट से उतरना शुरु कर दिया। यात्री एक दूसरे से पूछते रहे कि आखिर वजह क्या है। लेकिन खबर लिखे जाने तक किसी तरह का कोई कारण सामने नहीं आया।

पहले इंडिगो फ्लाइट के यात्रियों साथ भी हुआ

इससे एक दिन पहले भी इंडिगो फ्लाइट के यात्रियों साथ भी कुछ इसी तरह की घटना हुई थी। खराब मौसम के कारण इंडिगो की एक फ्लाइट को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी थी। यह फ्लाइट हैदराबाद से दरभंगा जा रही थी। खराब मौसम के कारण इसे बिहार के गया एयरपोर्ट पर दोपहर करीब ढाई बजे अचानक उतारा गया। इमरजेंसी लैंडिंग के बाद फ्लाइट लगभग एक घंटे तक गया एयरपोर्ट पर खड़ी रही। फ्लाइट लेट होने से यात्रियों और दरभंगा एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे उनके परिजनों में अफरा-तफरी मची रही। एक घंटे बाद मौसम में सुधार होने पर फ्लाइट को दरभंगा के लिए उड़ान भरने की अनुमति मिली। फ्लाइट के सुरक्षित लैंड होने पर यात्रियों और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर उड़ान के ऐन वक्त तक यात्रियों को पता नहीं होता है कि उसकी फ्लाइट गंतव्य तक जाएगी या नहीं।

देश का पहला झुग्गी-मुक्त शहर बना चंडीगढ़

25 साल की मेहनत के बाद पाया मुकाम

चंडीगढ़ केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ देश का पहला झुग्गी-मुक्त शहर बन गया है। मंगलवार सुबह चंडीगढ़ प्रशासन ने शहर की अंतिम बची झुग्गी बस्ती को ढहा दिया, जो सेक्टर 38 की शाहपुर कॉलोनी में थी। इस विध्वंस कार्य के लिए 8 टीमें बुलडोजरों के साथ तैनात की गईं। शांति सुनिश्चित करने के लिए करीब 500 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। किसी भी मेडिकल इमरजेंसी के लिए डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और एम्बुलेंस सहित चिकित्सा टीमें भी मौके पर तैयार रहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 4 एकड़ सरकारी जमीन पर फैली शाहपुर कॉलोनी की कीमत करीब 250 करोड़ रुपये आंकी गई। इसमें करीब 300 झोपड़ियां थीं, जहां करीब 1 हजार लोग रहते थे। चड़ीगढ़ प्रशासन ने कॉलोनी के बाहर पहले ही सार्वजनिक नोटिस लगा दिया था, जिसमें निवासियों को जगह खाली करने के लिए कहा गया। इंजीनियरिंग डिपोर्टमेंट को निर्देश दिए गए कि विध्वंस कार्य से एक दिन पहले बिजली और पानी के कनेक्शन काट दिए जाएं, ताकि कार्य सुचारु रूप से हो और किसी भी खतरे से बचा जा सके। झोपड़ियों को ढहाने के बाद प्रशासन ने भविष्य में अतिक्रमण रोकने के लिए खाली जमीन को तारबंद करने की योजना बनाई है। बात दें कि चंडीगढ़ प्रशासन 2000 के दशक की शुरुआत से शहर को झुग्गी-मुक्त बनाने की दिशा में लगा है। वर्ष 2006 में प्रशासन ने चंडीगढ़ स्मॉल फ्लैट्स स्कीम के तहत पुनर्वास पहल शुरू की थी। इसके तहत शहर की 2,811 एकड़ खाली जमीन में से करीब 356 एकड़ को 25,728 फ्लैट्स के निर्माण के लिए आवंटित किया गया, जिसमें 18 अनधिकृत कॉलोनियों की 23,841 परिवारों को बसाने की योजना थी। इन परिवारों में करीब एक लाख से अधिक लोग शामिल हैं, उन्हें पुनर्वास के बाद मामूली मासिक किराए का भुगतान करना था। हालांकि, देरी और गैर-भुगतान के कारण काफी बकाया राशि जमा हो गई है।

तन्यानंद के मोबाइल में मिली लड़कियों के चैट्स, पूछताछ में कर रहा गुमराह

पुलिस ने उसकी महिला सहयोगियों को हिरासत में लेकर करवाया आमना-सामना

नई दिल्ली छात्राओं से यौन उत्पीड़न का आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती पूछताछ में पुलिस को सहयोग नहीं कर रहा है। उसे अपने किए गए कृत्य पर कोई पछतावा नहीं है। पूछताछ में वह लगातार झूठ पर झूठ बोल रहा है। उसकी दो महिला सहयोगियों को हिरासत में लेकर आमना-सामना करवाया जा रहा है। पुलिस को उसके मोबाइल फोन से कई लड़कियों के चैट्स भी मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चैट्स में सबूत मिला है कि चैतन्यानंद लड़कियों को झांसा देता था और उन्हें प्रलोभन भी देता था। साथ ही उसने कई एयरहोस्टेस के साथ फोटो खिंचवाकर फोन में रखी है। इसके अलावा कई लड़कियों की डीपी की स्क्रीनशॉट्स और गंदी चैट भी उसके मोबाइल फोन में मिली हैं। सख्ती से पूछताछ और चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ मौजूद सबूतों को दिखाने पर ही बाबा सवालों के जवाब देता है। पूछताछ में बाबा के फर्जीवाड़े के नए-नए खुलासे हो रहे हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यहां एक निजी संस्थान में 17 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती का मंगलवार को उनकी दो महिला सहयोगियों से आमना-सामना कराया गया।

अहिंसावादी भी हिंसा का शिकार, लंदन में तोड़ डाली महात्मा गांधी की प्रतिमा

लंदन

अहिंसा के पुजारी भी हिंसा के शिकार होने से नहीं बच पाते हैं। लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर पर स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ भी कुछ इसी तरह का हुआ है। जहां गांधी जयंती से ठीक दो दिन पहले उनकी प्रतिमा को तोड़ दिया गया। भारतीय मिशन ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों को इस घटना की सूचना दे दी गई है। वहीं भारतीय उच्चायोग ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उच्चायोग के अधिकारी स्मारक को ठीक कराने के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। बता दें इस मशहूर प्रतिमा में राष्ट्रपिता को ध्यानमग्न मुद्रा में दिखाया गया है और कुछ उपद्रवियों ने मूर्ति के चबूतरे पर कुछ विचलित करने वाले शब्द भी लिखे गए।

चबूतरे पर शिलालेख में लिखा है, महात्मा गांधी, 1869-1948। मेट्रोपॉलिटन पुलिस और स्थानीय कैमडेन काउंसिल के अधिकारियों ने बताया कि वे मामले की जांच कर रहे हैं।लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया पर अपने बयान में कहा, भारतीय उच्चायोग टैविस्टॉक स्क्वायर पर स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़े जाने की घटना से बेहद दुखी है और इसकी कड़ी निंदा करता है। यह सिर्फ तोड़फोड़ की घटना नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस से 2 दिन पहले अहिंसा के विचार और महात्मा गांधी की विरासत पर हिंसक हमला है। हमने तत्काल कार्रवाई के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ इस मुद्दे को गंभीरता से

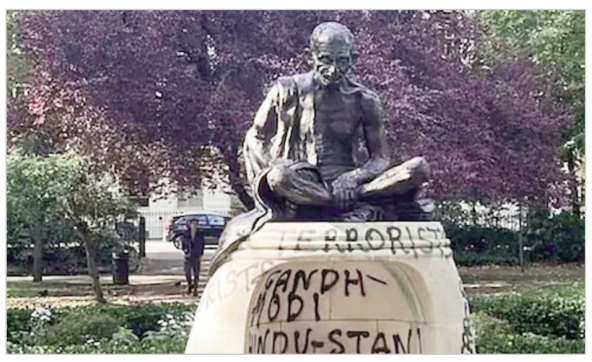

उठाया है।

हमारी टीम पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद है। प्रतिमा को ठीक करने के लिए अधिकारियों के साथ तालमेल किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने गांधी जयंती को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में नामित किया हुआ है। हर साल 2 अक्टूबर को लंदन स्थित स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की जाती है और गांधी जी के पसंदीदा भजन गाए जाते हैं। इंडिया लीग के सहयोग से बनाई गई इस कांस्य प्रतिमा का अनावरण 1968 में किया गया था। ये प्रतिमा महात्मा गांधी के उन दिनों को याद करते हुए स्थापित की गई थी, जब वे पास के यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कानून के छात्र थे।

आज भुज सैन्य स्टेशन और लक्की नाला सैन्य चौकी में सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेंगे रक्षा मंत्री

नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 1 और 2 अक्टूबर को कच्छ के भुज सैन्य स्टेशन और लक्की नाला सैन्य चौकी में सांस्कृतिक कार्यक्रम और बहु-एजेंसी क्षमता अभ्यास में भाग ले सकते हैं। यह अभ्यास दक्षिणी कमान मुख्यालय के दवारा आयोजित हो रहा है। सेना मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, दक्षिणी कमान के अधिकारी और वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और सीमा सुरक्षा बल के कर्मी भी इसमें भाग लेने वाले है।

इस कार्यक्रम की शोभा रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह भी बढ़ाएंगे। इसके पहले दिन में, रक्षा मंत्री सिंह ने साइबर हमलों, सूचना युद्ध और उभरती सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सेना के लिए अधिक एकीकरण और एक मानकीकृत प्रणाली की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

नई दिल्ली में आयोजित त्रि-सेवा संगोष्ठी को संबोधित कर रक्षा मंत्री सिंह ने प्रणाली के लिए रक्षा मंत्रालय की ओर से पूर्ण समर्थन का भरोसा दिया। सिंह ने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों ने वर्षों के अनुभव से ऑडिट प्रणालियाँ विकसित की हैं... आज के एकीकृत अभियानों के युग में, यह महत्वपूर्ण है।

पीएम मोदी की पोस्ट पर कांग्रेस ने कसा तंज कहा- सैनिको की तुलना क्रिकेटर्स से ठीक नहीं

नई दिल्ली

एशिया कप में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किए गए पोस्ट पर कांग्रेस हमलावर है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर कहा, पीएम मोदी ने तो सरहद पर अपनी जान कुर्बान करने वाले सैनिकों की तुलना पैसा पीटने वाले क्रिकेटर्स से करके ठीक नहीं किया है। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री का ट्वीट पढ़कर तो मुझे विश्वास ही नहीं हुआ। श्रीनेत ने कहा, आप ऑपरेशन सिंदूर की तुलना क्रिकेट मैच से कर रहे हैं। मोदी जी चाहे ऑपरेशन सिंदूर हो या आर्मी का कोई भी ऑपरेशन हो, एक बात याद रखिएगा कि देश का जवान अपनी जान हथेली पर रखकर सीमा की रक्षा करता है। एक जवान सर्वोच्च बलिदान देता है। वह अपने पीछे मां-बाप और बीवी-बच्चों को छोड़ जाता है। आप उन शूरवीरों की तुलना एक क्रिकेट मैच से कर रहे हैं। जहां पर मोटा पैसा चलता है। असलियत यह है कि आपने पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खिलवाकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को रईस बनवाया। अब यही पैसा देकर वे आतंकवादियों के घर बनवाएंगे और वे हिन्दुस्तान पर आक्रमण करेंगे। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, आप तो कहते थे कि खून और पानी एक साथ नहीं चल सकता लेकिन खून और क्रिकेट आपने एक साथ चलवाया। मैं आपसे पूछना चाहती हैं कि आप

जिस पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेल रहे हैं, उसके साथ क्लाइमेट समिट अटेंड करने के लिए सोनम वांगचुक को क्यों गिरफ्तार कर लिया? आपकी पाकिस्तान परस्ती सबको दिख रही है। बता दें कि पीएम मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान पर जीत के लिए ऑपरेशन सिंदूर के साथ प्रतीकात्मक तुलना करते हुए बधाई दी थी। मोदी ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, 'खेल के मैदान पर ऑपरेशन सिंदूर! नतीजा वही है - भारत जीतता है!'

करूर हादसे के पीड़ितों से मिली सीतारमण, घायलों का जाना हालचाल

बोलीं- पीड़ितों का दर्द सुन दिल दुख से भर गया, समझ नहीं आया क्या कहूं

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को तमिलनाडु के करूर का दौरा किया और टीवीके प्रमुख विजय की रैली में मची भगदड़ से प्रभावित परिवारों मिलीं। इस रैली में 41 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि पीएम ने उन्हें और केंद्रीय राज्यमंत्री एल मुरुगन को व्यक्तिगत रूप से फोन किया और उन्हें घटनास्थल पर जाकर पीड़ित परिवारों से मिलने और घायलों का हालचाल जानने के लिए कहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीतारमण ने कहा कि भगदड़ में कई पुरुष और महिलाएं, घायल हुए हैं। हम कुछ मृतकों के परिवारों से भी मिले। उनकी बात सुनकर दिल दुख से भर गया। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूं। उन्होंने कहा कि करूर की घटना स्तब्ध करने वाली है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। सीतारमण ने मुरुगन के साथ भगदड़ स्थल का निरीक्षण किया और पीड़ितों के कई परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मैं न तो उनसे बात कर पाई और न ही उन्हें सांत्वना दे पाई। उनमें से ज़्यादातर गरीब परिवारों से हैं। मैं उनका दर्द सुन सकती थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने पीएम मोदी का शोक संदेश शोक संतप्त और घायलों तक पहुंचाया।

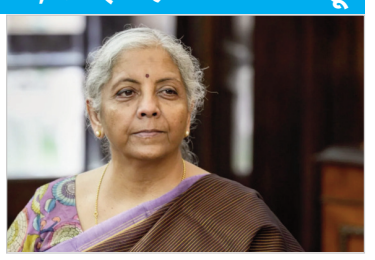

सीतारमण ने कहा कि सार्वजनिक मामलों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं तय करने का कोई भी समय बुरा नहीं होता, खासकर जहां लोगों की भारी भीड़ होती है। शायद, हम बहुत देर कर चुके हैं। सिर्फ एक राज्य में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में हमारे पास सार्वजनिक समारोहों के प्रबंधन का एक बेहतर तरीका होना चाहिए।

वांगचुक और कार्यकर्ताओं को बिना शर्त रिहा करें तभी बातचीत संभव

एलएबी ने चार प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद अपनाया कड़ा रुख

लेह

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संवैधानिक सुरक्षा उपाय करने की मांग को लेकर आंदोलन जारी है। इसका नेतृत्व कर रहे लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने पुलिस गोलीबारी की न्यायिक जांच शुरू होने और सोनम वांगचुक समेत सभी कार्यकर्ताओं को बिना शर्त रिहा करने तक बातचीत में शामिल नहीं होने की घोषणा की। एलएबी के अध्यक्ष थुपस्तान छेवांग और सह-अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने कहा कि बातचीत फिर से शुरू करने से पहले लद्दाख में अनुकूल माहौल की बहाली जरुरी है। एलएबी ने 4 प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद अपना रुख कड़ा कर लिया है।

एलएबी ने कहा कि अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच का आदेश देने और सभी कैदियों को रिहा करने की मांगें मान लेती है तो वह बैठक में शामिल नहीं होने के अपने फैसले पर विचार करेगी और 6 अक्टूबर को वार्ता में शामिल होगी। दोनों नेताओं ने कहा कि हम गृह मंत्रालय और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से आग्रह करेंगे कि वे वहां व्याप्त भय, गम और आक्रोश के माहौल को दूर करने के लिए कदम उठाएं। बातचीत का बहिष्कार करने की घोषणा प्रदर्शन में हुई हिंसा के दौरान मारे गए चौथे मृतक का कर्फ्यूग्रस्त लद्दाख की राजधानी में भारी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किए जाने के कुछ घंटों बाद की गई।

मृतक पूर्व सैनिक था। गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार लद्दाख मामलों पर एलएबी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ बातचीत के लिए हमेशा तैयार हैं।

इसमें कहा गया कि हम लद्दाख पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति या ऐसे किसी भी मंच के जरिए लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ चर्चा का स्वागत करते रहेंगे। बयान में क्षेत्र में विकास और रोजगार लाने वाले पिछले नतीजों की ओर इशारा किया गया है। इसके मुताबिक लद्दाख को लेकर

संवाद करने के लिए गठित तंत्र से अब तक अच्छे परिणाम मिले हैं, जैसे लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण में वृद्धि, एलएएचडीसी में महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान करना और स्थानीय भाषाओं को संरक्षण प्रदान करना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्र जागरण की साधना के सौ वर्ष की यात्रा

(लेखक - हितानंद शर्मा)

संघ शताब्दी वर्ष पर विशेष आलेख)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा वास्तव में राष्ट्र जागरण की ध्येय यात्रा है। वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर के मोहिते बाड़ा में रोपा गया राष्ट्र साधना का छोटा सा बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। राष्ट्र प्रथम के एकनिष्ठ भाव के साथ किए जा रहे सतत और अनथक प्रयासों से संघ की पहचान आज विश्व के सबसे बड़े संगठन के रूप में बनी है। राष्ट्र, संस्कृति, धर्म एवं समाज के हित में सर्वस्व अर्पण कर देने वाले स्वयंसेवक भारत के पुनरुत्थान की साधना में निरंतर लगे हुए हैं। संघ शताब्दी वर्ष चरैवेति-चरैवेति के मंत्र के साथ बढ़ रहे वैचारिक अधिष्ठान का एक सोपान है।

संघ के आद्य सरसंघचालक परम पूजनीय डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य भारत को स्वाधीन बनाने के साथ ही स्व-बोध की चेतना से युक्त एक संगठित समाज का निर्माण करना था। माँ भारती को परम वैभव पर आसीन करने की 100 वर्षों की यह यात्रा सरल नहीं रही। अनेक कठिनाइयों, विरोधों और बाधाओं को ही मार्ग बनाते हुए संघ ने भारत माता की सेवा में व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का कार्य सतत जारी रखा है।

स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता के पश्चात संघ ने समाज को देश की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य किया। स्वतंत्रता के पश्चात् भी जब देश में औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित और गुलाम पीढ़ी तैयार करने वाली मैकाले शिक्षा पद्धति जारी रखी गई तब संघ प्रेरणा से 1952 में 'विद्या भारती' की स्थापना की गई, जो शिक्षा एवं संस्कार देने वाला आज विश्व का सबसे बड़ा अशासकीय शैक्षणिक संगठन है। युवाओं को राष्ट्रीय विचारों से जोड़ने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, श्रमिकों के हित में कार्य करने भारतीय मजदूर संघ, किसानों के लिए भारतीय किसान संघ, सेवा कार्यों के लिए सेवा भारती और संस्कार भारती आदि अनेक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से स्वयंसेवकों द्वारा स्थापित किए गए जो आज भी समाज में सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। 1936 में स्थापित राष्ट्र सेविका समिति के साथ मिलकर संगठन ने महिलाओं की भूमिका को भी समान महत्व दिया है। आज विचार परिवार के प्रत्येक संगठन में महिला नेतृत्व की सशक्त उपस्थिति इसी दृष्टिकोण का परिणाम है।

स्वतंत्रता के पश्चात् जब भारतीय राजनीति अपने मूल और दिशा से भटकने लगी, देश की संप्रभुता के लिए ही संकट उत्पन्न हो गया, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की। भारतीय जनसंघ आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। इसे एक ऐसे संगठन के रूप में भी समाज का सम्मान प्राप्त होता है, जिसने अपने गठन के समय से चले आ रहे लगभग सभी प्रमुख संकल्पों को पूर्ण करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना इसी विचारधारा के ऐतिहासिक कार्य हैं।

संघ की सौ वर्ष की यात्रा कठिन चुनौतियों से भरी रही है। संघ अपने आरंभिक काल से ही अपनों के ही विरोध, आक्रमण, उपहास और अपमान सहकर भी इस अनवत यात्रा में आगे बढ़ा है। महात्मा गांधी की हत्या के मिथ्या आरोप, दो बार लगाए गए प्रतिबंध, आपातकाल की असहनीय यातनाएं और तमाम विरोधों के पश्चात भी संघ अपने संकल्पों पर दृढ़ रहा। इस साधना की यज्ञ वेदी में असंख्य स्वयंसेवक समिधा बन कर होम भी हुए हैं। स्वयंसेवकों की तपस्या और प्रचारकों के समर्पण ने संगठन को उस स्थिति तक पहुंचाया, जहां आज विश्वभर में लोग संघ को निकट से जानना और उससे जुड़ना चाहते हैं।

भारत के गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास, संस्कृति, ज्ञान-परंपरा के संघरूपी वटवृक्ष की जड़ें गहरे तक समायी हुई हैं। संघ की शाखाएं संगठन का सबसे प्रबल पक्ष हैं। समाज में यह वाक्य प्रचलन में भी आ चुका है कि यदि संघ को समझना है तो शाखा में जाकर भलीभांति समझा जा सकता है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की नर्सरी भी कही जाती हैं। शाखा के माध्यम से स्वयंसेवकों का शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास होता है। खेल, गीत, अनुशासन और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें नेतृत्व, अनुशासन, बंधुत्व और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं के माध्यमम से समाज का ऐसा संगठन तैयार हुआ है कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों और विदेशी आक्रमणों, हर परिस्थिति में संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले सेवा कार्य के लिए उपस्थित रहते हैं। गुजरात के भुज में आए भूकंप से लेकर हाल की भीषण बाढ़ की घटनाओं और कोरोना महामारी के दौरान भोजन, परिवहन, दवाइयों से लेकर पीड़ितों के अंतिम संस्कार तक की सेवाओं में स्वयंसेवकों ने निःस्वार्थ भाव से अपना योगदान दिया। इससे पूर्व स्वतंत्रता संग्राम, गोवा मुक्ति आंदोलन, कश्मीर के भारत में विलय, चीन के आक्रमण जैसे ऐतिहासिक घटनाक्रमों में भी संघ की भूमिका उल्लेखनीय रही।

शताब्दी वर्ष संघ की संकल्प यात्रा को और अधिक गति देने का अवसर है। संगठन 'पंच परिवर्तन' के माध्यम से स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता और परिवार प्रबोधन जैसे विषयों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय है। शताब्दी वर्ष के इस महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय अवसर पर संघ किसी भव्य आयोजन की बजाय प्रत्येक भारतीय नागरिक तक पहुंचकर उसे अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का बोध कराने का कार्य कर रहा है।

संघ का कार्यकर्ता होना जीवन को राष्ट्र सेवा की दिशा में लगा देने की प्रक्रिया है। शाखा का संस्कार व्यक्ति में मातृभूमि के प्रति ऐसा असीम प्रेम जगा देता है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित हो जाता है। स्वयंसेवक के लिए 卐भारत माता की जय卐 ही उसका परम ध्येय बन जाता है।

2026 में जब संघ का शताब्दी वर्ष पूर्ण होगा, तब लक्ष्य यही रहेगा कि प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र यज्ञ में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, ताकि भारत फिर से विश्वगुरु के रूप में विश्व का मार्गदर्शन कर सके। इस लक्ष्य के साधक होने के नाते हम सब भी इस राष्ट्र यज्ञ में अपनी-अपनी कर्तव्यों रूपी समिधा आहूत करें।

'पूर्ण विजय संकल्प हमारा
अनथक अविरत साधना।
निषिदिन प्रतिपल चलती आयी
राष्ट्रधर्म आराधना।'

आज जब भारत नए आत्मविश्वास और स्वाभिमान के साथ विश्व मंच पर स्वाभिमान और स्व-बोध के गौरव के साथ खड़ा है, तब संघ की यह सौ वर्षीय यात्रा केवल एक संगठन की कथा नहीं, बल्कि उस विचार की गौरव गाथा है जिसने राष्ट्र को आत्मबोध, संगठन और संस्कृति की शक्ति से जोड़ा। इस अवसर पर प्रत्येक स्वयंसेवक और नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह भारत माता को परम वैभव पर आसीन करने में अपना योगदान देंगे। सभी स्वयंसेवकों और देशवासियों को संघ शताब्दी वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी, मध्यप्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं के माध्यमम से समाज का ऐसा संगठन तैयार हुआ है कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों और विदेशी आक्रमणों, हर परिस्थिति में संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले सेवा कार्य के लिए उपस्थित रहते हैं। गुजरात के भुज में आए भूकंप से लेकर हाल की भीषण बाढ़ की घटनाओं और कोरोना महामारी के दौरान भोजन, परिवहन, दवाइयों से लेकर पीड़ितों के अंतिम संस्कार तक की सेवाओं में स्वयंसेवकों ने निःस्वार्थ भाव से अपना योगदान दिया।

संपादकीय

कक्षा में क्रूरता

निश्चय ही पानीपत की वह घटना किसी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली है, जिसमें एक सात साल के बच्चे को उसके शिक्षक ने सबक सिखाने के लिये कक्षा में उलटा लटका दिया। वाकई यह एक शर्मनाक घटना है, जिसका मानसिक आघात बच्चे के मन पर जीवनपर्यंत बना रह सकता है। यह घटना शहरी इलाके में घटित हुई है लेकिन देश के ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ऐसे वाकये अपवाद नहीं हैं। गाहे-बगाहे ऐसी घटनाएं अखबारों की सुर्खियां बनती रहती हैं, जिसमें शिक्षक क्रूरता की हदें पार करते नजर आते हैं। विगत के दशकों में बच्चों के साथ स्कूलों में निर्मम व्यवहार एक परेशान करने वाले पैटर्न का हिस्सा रहा है। बताते हैं कि पानीपत की परेशान करने वाली घटना का कारण छात्र द्वारा कथित तौर पर होमवर्क न करना रहा है। जिसके चलते इस छात्र को यह अमानवीय सजा दी गई। एक वायरल हुए वीडियो में देखा जा रहा है कि यह बच्चा असहाय और सहमा लटका नजर आ रहा था। कक्षा के अन्य डरे सहपाठी उसे देख रहे थे। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि इस घटना से बच्चे के मन-मस्तिष्क पर कितना बड़ा आघात पहुंचा होगा। जिससे शायद ही जीवनभर वह मुक्त हो पाए। इस वीडियो के वायरल होने के बाद समाज के विभिन्न वर्गों में व्यापक आक्रोश देखा गया। हालांकि, यह घटना बीते अगस्त माह की बतायी जा रही है, लेकिन इसका वीडियो देर से पिछले दिनों सामने आया। जिसको लेकर समाज में तल्ख प्रतिक्रिया देखी जा रही है। इसे वाकये को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं कि स्कूल प्रशासन ने मामले को क्यों दबाया? क्या स्थानीय प्रशासन को इसकी भनक नहीं लगी? वहीं दूसरी ओर सवाल यह भी उठाये जा रहे हैं कि अभिभावकों ने इस घटना के बाबत समय रहते शिकायत क्यों नहीं की? निश्चय ही ऐसे सभी सवालों के जवाब सामने आने चाहिए। विडंबना यह है कि यह सिर्फ पानीपत की ही अकेली घटना नहीं है। सिर्फ सितंबर में ही देश के विभिन्न भागों से स्तब्ध करने वाली कई घटनाएं सामने आई हैं। ऐसी ही एक परेशान करने वाली घटना छत्तीसगढ़ में प्रकाश में आई है। जहां एक लड़की को सौ बार उठक-बैठक करने पर मजबूर किया गया। उसे तब तक पीटा गया जब तक वह चलने लायक रही। एक विचलित करने वाली घटना में नागपुर में कचरा साफ करने से इनकार करने पर कक्षा पांच की दो छात्राओं को डंडे से पीटा गया। इसी तरह विशाखापत्तनम में एक प्रधानाचार्य ने दो किशोरों को लोहे के स्केल से पीट कर प्रताड़ित किया। बिहार की एक घटना में छात्रों को सजा देने के लिये एक कमरे में बंद कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश की एक घटना में छात्र का कंधा ही टूट गया। ये घटनाएं संकेत दे रही हैं कि सुरक्षित बचपन का दावा कितना खोखला है। यूं तो छात्रों को प्रताड़ित करना कानून की दृष्टि से प्रतिबंधित है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 17 शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न पर प्रतिबंध लगाती है। किशोर न्याय अधिनियम में बच्चों के साथ क्रूरता के लिये तीन साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। अगर चोट या गंभीर चोट पहुंचायी जाती है, तो आईपीसी की धाराओं में मुकदमा चलाने का प्रावधान है। फिर भी ऐसे कई मामलों में, निलंबन या बर्खास्तगी से आगे कार्रवाई शायद ही कभी आगे बढ़ती है। ऐसे मामलों में पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारियां तभी होती हैं, जब समाज में जनाक्रोश सीमाएं लांघने लगता है। ऐसे केस में दोष सिद्धि तो और भी दुर्लभ होती है। यह स्थिति उन लोगों का हौसला बढ़ाती है जो इस पुरानी मान्यता को मानते हैं कि डर से ही अनुशासन संभव होता है। वास्तव में ऐसे कृत्य बालमन पर गहरा आघात करते हैं। बचपन में अपमान और हिंसा के निशान सीखने, आत्मविश्वास और विश्वास को कमजोर करते हैं। वास्तव में अधिकारियों को ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस दिखानी चाहिए। छात्रों से शारीरिक हिंसा के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर तुरंत कार्रवाई, अपराधियों की बर्खास्तगी तथा स्कूल प्रबंधन की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

प्रेरणा प्रदान करने वाला साहसिक निर्णय

मुकेश आचार्य बिलाड़ा

मुकेश आचार्य

एशिया कप जीता।भारत की पूरी जनता को बधाई। भारतीय क्रिकेट टीम न केवल अच्छा खेली वरन् अच्छे खेल के साथ ही देशभक्ति का सबसे अच्छा उदाहरण भी प्रस्तुत किया। भारतीय क्रिकेट टीम ने मिलकर भारतीय सेना का अपमान करने वाले तथा भारत के दुश्मन राष्ट्र पाकिस्तान के मंत्री नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से स्पष्ट मना कर दिया। आयोजक बारंबार भारतीय टीम का नाम लेकर ट्रॉफी के लिए आह्वान कर रहे थे लेकिन कुछ ही दूरी पर बैठी भारतीय टीम विजय उत्सव बना रही थी। भारतीय क्रिकेट टीम का यह निर्णय भारत की पूरी जनता के लिए एक प्रेरणा प्रदान करने वाला साहसिक निर्णय था। एशिया कप जैसे बड़े टूर्नामेंट की ट्रॉफी किसी भी क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी के लिए एक बहुत बड़ा स्वप्न होता है, लेकिन वह ट्रॉफी भी भारतीय राष्ट्र की अस्मिता एवं गरिमा से बड़ी नहीं हो सकती। यह हमारी टीम ने कर दिखाया है। विश्व पटल पर पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने वाला भारतीय टीम का निर्णय आज प्रत्येक देशवासी के हृदय को गर्वान्वित करने वाला है। आज भारत राष्ट्र के सभी देशवासियों को विचार करने की आवश्यकता है। हमारी टीम के खिलाड़ी ट्रॉफी छोड़ सकते हैं तो क्या हम हमारे प्रधानमंत्री के आह्वान पर स्वदेशी के प्रति जागरूकता अभियान में नहीं जुड़ सकते हैं? कभी ट्रंप टैरिफ के वार से भारत की सरकार एवं भारतीय जनता को झुकाना चाहता है तो कभी कोई बहुराष्ट्रीय कंपनी भारतीय जनता की गाढी कमाई को केवल ब्रांड के नाम पर लूटकर विदेश ले जातीहै। आज समय आ गया है भारतीय व्यापारी एवं कंपनियां भारत राष्ट्र की गरिमा के लिए काम करें तथा भारत का आम नागरिक भारत राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए भारतीय कंपनियों का ही सामान खरीदें। हम स्वदेशी के प्रति निष्ठावान होकर आने वाले दीपावली महोत्सव की खरीदारी में किसी भारतीय के पसीने की मेहनत को उसका फल देने के लिए ही करें। हम सब मिलकर सामूहिक रूप से विदेशी सामान एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों का बहिष्कार करें। हमने पहले भी चीन के सामान का सामूहिक बहिष्कार करके चीन को धरातल दिखाया है। किसी ने कहा भी है किसी भी व्यक्ति में देशभक्ति का एकमात्र गुण होना पर्याप्त है क्योंकि यह एक देशभक्ति का गुण ही सभी गुणों को न केवल जन्म देता है वरन् सभी गुणों का पोषण भी करना होता है। आज भारत राष्ट्र संप्रभु राष्ट्र है। भारत राष्ट्र का नेतृत्व सक्षम हाथों में है। भारत अपना प्रत्येक निर्णय स्वहित में लेने का अधिकार रखता है। भारत को रुस से तेल खरीदना है या नहीं ?यह भारत का अपना निर्णय होना चाहिए, ना कि कोई ट्रंप अपने शक्तिशाली होने के घमंड में भारतीय कंपनियों पर टैरिफ लगाकर भारत की संप्रभुता को चुनौती प्रस्तुत करें। ट्रंप की सत्ता ने भारत राष्ट्र को टैरिफ लगाकर डराने का दुस्साहस तो कर लिया है, लेकिन अब बारी भारतीय जनता की है। हमें न केवल अमेरिकी ब्रांड का बहिष्कार करना है बल्कि हमें तो हमारे दैनिक उपयोग में आने वाली प्रत्येक सामग्री को स्वदेशी अवधारणा के साथ ही स्वदेशी ब्रांड की कंपनियों का सामान ही खरीदना है। भारतीय जनता की मेहनत से बना, भारत के उद्योगपतियों को लाभान्वित करने वाला सामान हीं हमारे घर की शोभा होना चाहिए। हमारी दीपावली खरीदारी हमारे भारतीय मजदूरों के घरों की दीपावली में सहायक होनी चाहिए। हम ऑनलाइन खरीदारी का विकल्प हमारे अपने स्थानीय बाजारों में ढूंढे। हम मिलकर तय करें कि भारतीय राष्ट्र पर आने वाली किसी भी विपत्ति अथवा स्थानीय स्तर पर होने वाले किसी भी धार्मिक एवं समाज कल्याण के आयोजनों में हमारी आयोजन समितियां को चंदा एवं आर्थिक सहायता देने वालों में कभी भी किसी भी बहुराष्ट्रीय कंपनी का कोई योगदान नहीं होता है। हमारी विपत्ति में सहयोगी एवं हमारे शुभ कार्यों के वाहक हमारे अपने स्थानीय व्यापारी होते हैं। हम समय-समय पर उनसे आर्थिक सहायता लेने के अधिकारी तो होते हैं, लेकिन हमारे घर की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में क्या हमें इन स्थानीय व्यापारियों को सहयोग नहीं करना चाहिए? आओ! भारत मां के सभी सच्चे सपूतों हम सब मिलकर यह आह्वान करें कि आने वाली दिवाली भारतीय मजदूर भारतीय व्यापारी और भारतीय कंपनियों को मजबूत करने में सहायक होगी ।हमारे घर का प्रत्येक सामान स्वदेशी सामान होगा। हम इस दिपावली से स्वदेशी के संकल्प के साथ स्वराष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए अपना सहयोग करेंगे। हमारा भारत सक्षम एवं समर्थ राष्ट्र बनेगा। भारत को कभी कोई राष्ट्र चुनौती देने से पहले भारतीय जनता के निर्णय एवं समर्पण भाव को जानने का प्रयास करेगा। हम सब मिलकर हमारे परिवार के साथ ही हमारे ग्राम- नगर में स्वदेशी के प्रति बड़ी जिम्मेदारी निभाएंगे ।प्रत्येक नागरिक से स्वदेशी सामान ही खरीदने का आग्रह करेंगे। स्वदेशी केवल सामग्री नहीं, एक भाव है। जो समूचे राष्ट्र को राष्ट्रीय एकता में बांधता है ।प्रत्येक नागरिक को समर्पण भाव सिखाता है। आज भारत राष्ट्र की आवश्यकता है हम 140 करोड लोग एक साथ एक सामूहिक निर्णय में हमारे राष्ट्र के प्रति हमारा समर्पण भाव प्रकट करें। भारतीय सेना को मजबूत करें ।भारतीय सरकार के निर्णय को मजबूती प्रदान करें। स्वदेशी का मूल मंत्र अपना का भारत राष्ट्र की जड़ों को सिंचित करने का इस सुअवसर का हम भलि-भांति उपयोग करें। भारत राष्ट्र की जय ।वंदे मातरम्।

कृष्ण हैं परम पुरुष

चिंतन मनन

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमेर तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सदैव भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता।

भजति शब्द अत्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबंध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात् भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण-भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है। लेकिन यदि कोई लाखों जन्मों तक चिन्तन करने पर भी इस लक्ष्य पर नहीं पहुंच पाता कि श्रीकृष्ण ही भगवान हैं और उनकी ही शरण ग्रहण करनी चाहिए, तो उसका अनेक जन्मों का चिन्तन व्यर्थ जाता है।

विचार मंथन

अमेरिका की सरकार कंगाली की कगार पर

(लेखक- सनत जैन)

-पूंजीवादी व्यवस्था अपने चरम पर

दुनिया की सबसे ताक़तवर अर्थव्यवस्था वाली अमेरिकी सरकार कंगाली की कगार पर खड़ी हो गई है। यह स्थिति बजट विवाद या प्रशासनिक असफलता का नहीं है, बल्कि उस पूंजीवादी व्यवस्था की नंगी सच्चाई है, जिसने वहां की आम जनता का आर्थिक शोषण करते हुए कॉर्पोरेट घरानों की तिजोरियां भर दी हैं। आंकड़े बताते हैं, अमेरिकी सरकार दो ट्रिलियन डॉलर के घाटे में चल रही है। संसद में बजट पास न होने की स्थिति में शटडाउन का खतरा मंडराने लगा है। बजट की अनुमति नहीं मिलने पर सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलेगा। अमेरिका की पूरी अर्थ व्यवस्था ठप्प पड़ जाएगी। सरकार एक तरह से ऑक्सीजन पर निर्भर हो जाएगी। यह कंगाली अचानक नहीं आई है। डोनाल्ड ट्रंप और उनसे पहले की सरकारों ने कॉरपोरेट को लगातार टैक्स छूट, कॉर्पोरेट पर नरमी और जनता पर टैक्स का बोझ डालने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। नतीजा यह हुआ कि तंबाकू, बैंकिंग, टेक और दवा कंपनियों जैसे सेक्टर में कार्पोरेट 75 से 80 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा कमा रहे हैं। उत्पादन और खेती से जुडा वर्ग महज 1-8 प्रतिशत पर सिमट गया है। मेहनत करने वाले अमेरिकी नागरिक लगातार पिस रहे हैं। वहीं पूंजीपति वर्ग दिन-दूनी रात-चौगुनी कमाई कर रहा है। सबसे भयावह स्थिति हेल्थकेयर सेक्टर की है। अमेरिका में प्रति व्यक्ति करीब 11 लाख रुपए सालाना स्वास्थ्य पर खर्च होते हैं। जो जर्मनी, फ्रांस या कनाडा जैसे विकसित देशों से 2 से 3 गुना ज्यादा है। बावजूद इसके, जनता को गुणवत्तापूर्ण सुविधा नहीं मिल रही है। 20 से 40 गुना महंगी दवाएं अमेरिका में बिकती हैं। डॉक्टरों की फीस भी अमेरिका मे अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा है। अस्पतालों में भर्ती होना या सर्जरी कराना आम नागरिक के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। उसे इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। जिसके कारण वह कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। आम आदमी का यही पैसा फार्मा और बीमा कंपनियों की जेब में जा रहा है। जिसके कारण फार्मा और बीमा कंपनियों की कमाई लगातार बढ़ती जा रही है। यह दो सेक्टर अमेरिका की राजनीति को प्रभावित करते हैं। सरकार उनके अनुसार ही नीतियां बनाती है। कॉर्पोरेट का अमेरिका की राजनीति मे गहरा प्रभाव होने से आम आदमी की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। पूंजीवाद की यह बीमारी अमेरिका को अंदर से खोखला कर रही है। सरकार ने विदेशी सहायता घटाई है। पब्लिक सेक्टर की संपत्तियों को बेच दिया है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार लगातार कटौती कर रही है। इसके बाद भी सरकार का घाटा कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। इसकी वजह साफ़ है, अमेरिका में कॉर्पोरेट के मुनाफे पर कोई अंकुश नहीं है। बैंकिंग सेक्टर 99 प्रतिशत मार्जिन से कमाई कर रहा है। टैक्स बोझ केवल आम नागरिकों पर है। अमेरिका की सरकार कॉरपोरेट को टैक्स छूट के साथ-साथ हर सुविधा दे रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयात पर टैरिफ और अप्रत्यक्ष टैक्स बढ़ाकर जनता की जेब से वसूली कर रहे हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रंप की सरकार कार्पोरेट जगत के अरबों-खरबों की कॉर्पोरेट कमाई पर चुप्पी साध रखी है, जिससे अमेरिका की जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का यह संकट दुनिया के लिए एक बडी चेतावनी है। भारत सहित दुनिया के तमाम देशों को यह समझना होगा। अगर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बाजार को कॉर्पोरेट के हवाले कर दिया गया तो आम जनता और सरकार का हाल, वही होगा जो आज अमेरिका का हो चुका है। सरकार के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। आम लोगों के बजट में कटौती होती जा रही है। महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। कमाई ओर बचत कम होती चली जा रही है। सरकारें कंगाल होती जा रही हैं, और जनता गुलाम होने जैसी स्थिति में पहुंच गई है। पूंजीवाद का यह चरम रूप है, जिसने अमेरिका जैसे देश में लोकतंत्र को खोखला कर दिया है। अमेरिका की संसद मे नीतियां जनता के लिए नहीं, बल्कि कंपनियों के हित के लिए बन रही हैं। अमेरिका की वर्तमान स्थिति केवल उसकी आंतरिक समस्या नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है, वैश्विक पूंजीवादी मॉडल की असफलता है। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से पूंजीवाद को अमेरिका से पूरी दुनिया में फैलाने की कोशिश की गई थी। वह अपने वीभत्स रूप में अमेरिका में ही देखने को मिल रही है। सवाल यह है, चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या फिर अमेरिका की राह पर चलते हुए भारत सहित दुनिया के सारे देश आर्थिक संकट और लोकतंत्र के लिए चुनौती साबित होंगे? वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो बाजारवाद की लहर पूरी दुनिया के देशों में पहुंची थी, उसके कारण आम आदमी से लेकर सरकारें सभी कर्ज में डूबी हुई हैं।

सोने का उपयोग करने वाले विनिर्माताओं को कार्यशील पूंजी ऋण की अनुमति

मुंबई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को उन विनिर्माताओं को आवश्यकता-आधारित कार्यशील पूंजी ऋण देने की अनुमति दी है जो कच्चे माल के रूप में सोना या चांदी का उपयोग करते हैं। यह सुविधा पहले केवल जौहरियों तक सीमित थी, लेकिन अब इसे विस्तारित कर अन्य उद्योगों तक पहुंचाया गया है। आरबीआई के नवीनतम निर्देशों के तहत अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) और टियर 3 व टियर 4 के सहकारी बैंक (यूसीबी) ऐसे उधारकर्ताओं को कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान कर सकते हैं, जो अपने विनिर्माण या औद्योगिक प्रसंस्करण में सोना या चांदी का उपयोग करते हैं। साथ ही सोना और चांदी को ऋण की गारंटी के रूप में स्वीकार करने की अनुमति भी दी गई है। यह कदम उन उद्योगों को आर्थिक सहायता प्रदान करेगा जो सोना या चांदी आधारित कच्चे माल का उपयोग करते हैं, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और कारोबार बेहतर होगा। इससे सोने के व्यापक व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा मिलेगा और वित्तीय लेन-देन में सहजता आएगी।

चीन के विनिर्माण पीएमआई में मिले मिश्रित संकेत

हांगकांग सितंबर में चीन के आधिकारिक विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) 49.8 पर आ गया, जो 50 के नीचे रहकर उत्पादन में संकुचन दर्शाता है, लेकिन अगस्त के 49.4 से थोड़ा सुधार हुआ है। यह लगातार छठे महीने विनिर्माण गतिविधियों में गिरावट को दर्शाता है। वहीं निजी क्षेत्र के पीएमआई सर्वेक्षण में समग्र सूचकांक 51.2 पर पहुंच गया, जो उत्पादन विस्तार की ओर संकेत है। यह घरेलू मांग में सुधार और उत्पादन में वृद्धि को दर्शाता है। चीन की अर्थव्यवस्था धीमी गति से गति पकड़ रही है, लेकिन अमेरिका के साथ व्यापार तनाव और घरेलू मांग की कमजोरी बनी हुई चुनौतियां हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के प्रमुख हुओ लिहुई के अनुसार, आंकड़े उत्पादन में थोड़ी बढ़ोतरी और आर्थिक सुधार की ओर इशारा करते हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर ई-अराइवल कार्ड सुविधा 1 अक्टूबर से

नई दिल्ली दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार 01 अक्टूबर से विदेशी यात्रियों के लिए ई-अराइवल कार्ड की सुविधा शुरू हो जाएगी। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने बताया कि यह नई सुविधा आव्रजन ब्यूरो के निर्देशानुसार लागू की जा रही है। इसके तहत यात्रियों को अब हवाई अड्डे पर मैन्युअल कागज-आधारित कार्ड भरने की बजाय एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन अपने आगमन की जानकारी दर्ज करनी होगी। यह सुविधा यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाएगी और कागज की बचत कर हवाई अड्डे के हरित लक्ष्यों को भी पूरा करने में मदद करेगी। इससे प्रक्रिया तेज़ होगी, कतारें कम होंगी और दक्षता बढ़ेगी। डिजिटल अराइवल कार्ड से हवाई अड्डे पर आने-जाने वाले यात्रियों के लिए अराइवल की प्रक्रिया सरल और पर्यावरण के अनुकूल बन जाएगी।

जिंदल स्टील का अंगुल में 3 एमटीपीए बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस प्रारंभ

नई दिल्ली जिंदल स्टील ने ओडिशा के अंगुल में अपनी 20,000 करोड़ रुपये की विस्तार परियोजना के तहत 3 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) क्षमता वाली बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीओएफ) को चालू कर दिया है। नए बीओएफ की शुरुआत के साथ संयंत्र की कच्चे इस्पात उत्पादन क्षमता 60 लाख टन से बढ़कर 90 लाख टन प्रति वर्ष हो गई है। बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस गैसीय ऑक्सीजन का उपयोग कर पिघले हुए लोहे को इस्पात में बदलती है। जिंदल स्टील के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि पहली ऊष्मा का सफलतापूर्वक दोहन हो चुका है। यह सफलता कंपनी के 1.2 करोड़ टन प्रति वर्ष इस्पात उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस विस्तार से कंपनी की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और स्थानीय उद्योग को मजबूती मिलेगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी: एडीबी

नई दिल्ली

एडीबी ने कहा है कि उसे पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है क्योंकि भारतीय निर्यात पर अमेरिकी शुल्क का प्रभाव विशेष रूप से दूसरी छमाही की संभावनाओं को कम करेगा।

उल्लेखनीय है कि अप्रैल में जारी एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में सात प्रतिशत की उच्च वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया था।

इसे भारत से आने वाले माल पर अमेरिका के 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की चिंता के कारण जुलाई की रिपोर्ट में घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था। एडीओ सितंबर 2025 ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में बेहतर खपत और सरकारी व्यय के कारण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है, लेकिन भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क से वृद्धि में कमी आएगी।

खासकर वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 2026-27 में, हालांकि लचीली घरेलू मांग और सेवा निर्यात प्रभाव को कम कर देंगे।

रिपोर्ट के अनुसार शुल्क लागू होने के कारण निर्यात में कमी का असर वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 दोनों में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर पड़ेगा।

इसके परिणामस्वरूप शुद्ध निर्यात अप्रैल में पहले के अनुमान से अधिक तेजी से घटेगा। इसमें साथ ही कहा गया है कि कर राजस्व वृद्धि में कमी के कारण राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के बजट अनुमान से अधिक रहने की संभावना है।

टाटा कैपिटल ला रहा 15,512 करोड़ का आईपीओ

6 अक्टूबर से आम निवेशकों के लिए खुलेगा ऑफर

नई दिल्ली टाटा ग्रुप की वित्तीय शाखा टाटा कैपिटल लिमिटेड भारत का अब तक का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ लाने जा रही है। इस सार्वजनिक निर्गम से कंपनी 15,512 करोड़ जुटाएगी और इसके बाद वह देश की पांचवीं सबसे मूल्यवान नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) बन जाएगी। आईपीओ का प्राइस बैंड 310 से 326 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। यह टाटा ग्रुप का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है और टाटा टेक्नोलॉजीज के नवंबर 2023 में आए आईपीओ के बाद ग्रुप की दूसरी लिस्टिंग होगी। इस इश्यू में 6,846 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी होंगे, जिससे कंपनी की पूंजी स्थिति मजबूत होगी।

रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया की 5 सहायक कंपनियां 12 मिलियन डॉलर में बेचीं

मुंबई अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया में स्थित अपनी 5 सहायक कंपनियों को 12 मिलियन डॉलर में बेचने की घोषणा की है। यह ट्रांजेक्शन सोमवार को हुआ, जिसके बाद कंपनी के शेयरों में करीब 3 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। बीएसई में रिलायंस पावर का शेयर 44.94 रुपये के स्तर पर खुला और इंट्रा-डे हाई 46 रुपये तक पहुंच गया। रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया की पांच कंपनियों पीटी अवे निश कोल ` रिसोसर्ज, पीटी हेरामबा गोयल, पीटी सुमुखा व अन्य को बेचने का फैसला किया है। यह डील रिलायंस पावर नीदरलैंड्स बीवी और रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज (सिंगापुर) के माध्यम से की गई है। इन पांचों कंपनियों की कुल नेट वर्थ 16909 लाख रुपये है, जो रिलायंस पावर के कुल नेट वर्थ का मात्र 0.53 प्रतिशत है। कंपनी ने बताया कि इन सहायक कंपनियों से वित्त वर्ष 2025 में कोई भी आय नहीं हुई है। खरीदार कंपनी प्रमोटर ग्रुप से संबंधित नहीं है और रिलायंस ग्रुप के साथ इनका कोई संबंध नहीं है। इस डील के पूरा होने की उम्मीद 30 दिसंबर तक है। रिलायंस पावर के शेयरों में डील की खबर के बाद सकारात्मक तेजी आई है। कंपनी के शेयरों ने पिछले एक साल में 3.93 प्रतिशत की गिरावट झेली है, जबकि पांच वर्षों में 1468 प्रतिशत का आकर्षक रिटर्न दिया है। कंपनी का 52 सप्ताह का हाई 76.49 रुपये और लो 31.30 रुपये रहा है। इस डील से रिलायंस पावर को अपने संसाधनों को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने और मुख्य व्यवसाय पर फोकस करने में मदद मिलेगी।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 97 और निफ्टी 23 अंक नीचे आया

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 97.32 अंक नीचे आकर 80,267.62 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23.80 अंक टूटकर 24,611.10 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग के अलावा निफ्टी ऑटो , निफ्टी मेटल , निफ्टी कमोडिटी और निफ्टी पीएसई के शेयरों में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी , निफ्टी फार्मा , निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मीडिया गिरावट के साथ बंद हुए।

आज कारोबार के दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 3.85 अंक की हल्की गिरावट के साथ 56,529.30 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14.10 अंक की बढ़त के साथ 17,562.75 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स, बीईएल, बजाज फाइनेंस, एचयूएल, एमएंडएम, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, एसबीआई, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में तेजी रही जबकि आईटीसी, भारती एयरटेल, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, टाइटन, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, टाटा स्टील, पावर ग्रिड और एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही।

आज मंथली एक्सपायरी के दिन बाजार एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। इसका कारण निवेशकों का सतर्क रुख रहा।

इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुले। वहीं निफ्टी 50 भी 57.05 अंक बढ़कर 24,691.95 के स्तर पर शुरू हुआ। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में सुबह का कारोबार मिला-जुला रहा। निवेशक ऑस्ट्रेलिया रिजर्व बैंक के ब्याज दर निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। टेक-हैवी नेस्डेक कम्पो जिट 0.48 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 0.26 और डाओ जोंस 0.15 फीसदी से ज्यादा बंद हुए।

अक्टूबर में कई बड़े नियमों में होगा बदलाव

नई दिल्ली

अक्टूबर 2025 कई नए नियमों के साथ शुरू होने वाला है। कुछ बदलाव सीधे आपके रोजमर्रा के जीवन और फाइनेंशियल प्लानिंग पर असर डाल सकते हैं।

ये बदलाव एलपीजी, ट्रेन टिकट, यूपीआई, पेंशन स्कीम, ऑनलाइन गेमिंग और बैंकिंग जैसी चीजों से जुड़े हैं। आइए जानते हैं कौन-कौन से नियम बदल रहे हैं।

एलपीजी सिलेंडर के दाम बदलेंगे: अक्टूबर से ऑयल मार्केटिंग कंपनियां LPG और कमर्शियल सिलेंडर के दाम बदलेंगी। घरेलू सिलेंडर के दाम पिछले कुछ महीनों से स्थिर हैं।

▸▸ ट्रेन टिकट बुकिंग के नियम बदले:

अब रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट केवल वही लोग ऑनलाइन टिकट बुक कर पाएंगे, जिनका आधार कार्ड वेरिफाई हो चुका है। यह नियम पहले केवल तत्काल टिकट के लिए था।

▸▸ यूपीआई का 'कलेक्ट रिक्वेस्ट' फीचर बंद:

1 अक्टूबर से यूपीआई ऐप्स में किसी से सीधे पैसे मांगने का विकल्प नहीं मिलेगा। एनपीसीआई के अनुसार यह धोखाधड़ी और फिशिंग से बचाव में मदद करेगा।

▸▸ यूपीआई ट्रांजैक्शन की लिमिट बढ़ेगी:

अब यूपीआई के जरिए एक बार में 5 लाख रुपये तक ट्रांजैक्शन किया जा सकेगा। यह रियल एस्टेट, ई-कॉमर्स और व्यवसायिक लेनदेन में आसान होगा।

▸▸ यूपीआई ऑटो-पे सुविधा शुरू:

अब सब्सक्रिप्शन और बिल के लिए ऑटो-पे का विकल्प मिलेगा। हर ऑटो-डेबिट पर नोटिफिकेशन आएगा और यूजर इसे बदल या बंद कर सकते हैं।

▸▸ एनपीएस में न्यूनतम योगदान बढ़ा:

नेशनल पेंशन सिस्टम में न्यूनतम मासिक योगदान 500 रुपये से बढ़कर 1,000 रुपये हो जाएगा।

▸▸ एनपीएस में नया टियर सिस्टम:

टियर-1 रिटायरमेंट फोकस और टैक्स बेनेफिट के साथ। टियर-2 लचीला विकल्प, टैक्स लाभ नहीं।

▸▸ पेंशन स्कीम में बदलाव:

एनपीएस, अटल पेंशन योजना और एनपीएस लाइफ में नए नियम लागू होंगे। सरकारी कर्मचारियों को नया पीआरएएन खोलने पर ई-पीआरएएन किट के लिए 18 रुपये देने होंगे।

▸▸ ऑनलाइन गेमिंग नियम बदले:

सभी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को मेटी से वैध लाइसेंस लेना होगा। ऑनलाइन रियल-मनी गेम में भाग लेने के लिए न्यूनतम उम्र 18 साल होगी।

▸▸ डाक सेवा के चार्ज में बदलाव:

1 अक्टूबर से स्पीड पोस्ट सेवा में शुल्क बदलेंगे। नई सुविधाओं में ओटीपी आधारित डिलीवरी, रियल-टाइम ट्रैकिंग, ऑनलाइन बुकिंग और एसएमएस नोटिफिकेशन शामिल हैं।

दिवालियापन प्रक्रिया में किसी भी चरण में रद्द हो सकती है समाधान योजना: एनसीएलटी

नई दिल्ली नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि दिवालियापन प्रक्रिया के दौरान यदि किसी भी स्तर पर धोखाधड़ी सामने आती है, तो नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल को समाधान योजना को रद्द करने का अधिकार है, चाहे वह योजना पहले ही स्वीकृत क्यों न हो। 8 सितंबर को दिए गए आदेश में एनसीएलएटी ने स्पष्ट किया` कि आईबीसी की धारा 65, जो धोखाधड़ीपूर्ण या दुर्भावनापूर्ण दिवालियापन याचिकाओं से जुड़ी है, यदि लागू होती है तो प्रक्रिया का चरण अप्रासंगिक हो जाता है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि धोखाधड़ी सब कुछ निरस्त कर सकती है, जिसमें स्वीकृत समाधान योजना भी शामिल है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह आदेश इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) की स्थिरता और व्यापारिक विश्वास को प्रभावित कर सकता है। गांधी लॉ एसोसिएट्स के एक पार्टनर ने कहा` कि धोखाधड़ी का इरादा एक खतरनाक रूप से व्यापक अवधारणा है। अगर इसे जरूरत से ज्यादा फैलाया गया, तो इससे आईबीसी की उस अंतिमता को नुकसान होगा जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मान्यता दी है। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के भूषण पावर एंड स्टील मामले से विपरीत है, जहां कोर्ट ने चेतावनी दी थी कि स्वीकृत योजना को फिर से खोलना पैंडोरा का बॉक्स खोलने जैसा होगा।

केंद्र ने जारी किए नए सीएएफई-3 ड्राफ्ट, हल्के वाहनों पर होगी सख्ती

नई दिल्ली

साल 2027 से 2032 तक लागू होने वाले कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (सीएएफई) 3 ड्राफ्ट को भारत सरकार ने जारी कर दिए हैं। नए नियमों के तहत वाहन निर्माताओं के लिए औसत फ्लीट वाइड फ्यूल एफिशिएंसी और कार्बन उत्सर्जन के सख्त लक्ष्य तय किए जाएंगे। हल्के वाहनों पर ज्यादा सख्ती होगी, जबकि भारी वाहनों को कुछ छूट दी जाएगी, हालांकि यह छूट भी सीमित रहेगी। ड्राफ्ट के अनुसार हर वित्तीय वर्ष के साथ मानक और कठोर होते जाएंगे, ताकि कंपनियां किसी एक मॉडल पर नहीं बल्कि पूरे फ्लीट को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। नए मानकों के लिए सरकार ने एक गणितीय फॉर्मूला भी शामिल किया है टारगेट = 0.002 (वॉट - 1170) प्लस सी, जहां डब्ल्यू फ्लीट का औसत वजन है और सी हर साल घटने वाला कॉन्स्टैंट। 4 मीटर से छोटी, 909 किलो से कम वजनी और 1,200 सीसी से कम इंजन क्षमता वाली कारों को अतिरिक्त 3 ग्राम/किमी सीओ डिडक्शन की छूट मिलेगी। यह छूट हर कंपनी के लिए अधिकतम 9 ग्राम/किमी तक सीमित होगी। ग्रीन टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने क्रेडिट मल्टीप्लायर सिस्टम प्रस्तावित किया है। इसके तहत बैटरी इलेक्ट्रिक और रेंज एक्सटेंडर ईवी को तीन वाहनों के बराबर गिना जाएगा, जबकि प्लग-इन हाइब्रिड और एथनॉल आधारित स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड 2.5 वाहनों के बराबर माने जाएंगे। इसी तरह स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड्स को दो और फ्लेक्स फ्यूल एथनॉल कारों को 1.5 वाहनों के बराबर गिना जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि कंपनियां सीमित संख्या में ग्रीन वाहन बेचकर भी अपने पूरे फ्लीट औसत को सुधार पाएंगी।

भारत में वाहन ईंधन दक्षता मानक होंगे सख्त, नया ड्राफ्ट किया जारी

नई दिल्ली

वर्ष 2027 से 2032 तक लागू होने वाले नए कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (सीएएफई) 3 मानकों का ड्राफ्ट भारत सरकार ने जारी कर दिया है। नए ड्राफ्ट में वाहन निर्माताओं के लिए फ्लीट-स्तरीय सख्त लक्ष्य तय किए गए हैं, लेकिन छोटी पेट्रोल कारों को सीमित छूट और इलेक्ट्रिक व हाइब्रिड वाहनों को प्रोत्साहन देने के उपाय भी शामिल किए गए हैं। इसका उद्देश्य है भारतीय वाहनों को अधिक ऊर्जा कुशल और पर्यावरण के अनुकूल बनाना, साथ ही कार्बन उत्सर्जन को धीरे-धीरे घटाना। ड्राफ्ट के अनुसार, प्रत्येक निर्माता की फ्लीट का औसत वजन लक्ष्य निर्धारित करेगा। हल्के वाहनों के लिए मानक अधिक कड़े होंगे, जबकि भारी फ्लीट्स को थोड़ी राहत मिलेगी। हर वित्तीय वर्ष में नियमों को और सख्त किया जाएगा। इसके लिए नया गणितीय फॉर्मूला तय किया गया है: टारगेट =0.002 (वॉट - 1170) प्लस सी, जहां डब्ल्यू फ्लीट का औसत वजन है और सी हर साल घटेगा। छोटी कारों को 4 मीटर से कम लंबाई, 909 किलो से कम वजन और 1,200सीसी से कम इंजन वाली कारों को 3 ग्राम/किमी सीओ उत्सर्जन की अतिरिक्त छूट मिलेगी। ग्रीन टेक्नोलॉजी वाले वाहनों के लिए क्रेडिट मल्टीप्लायर सिस्टम लागू होगा, जिससे ईवी और हाइब्रिड्स को औसत में ज्यादा वेटेज मिलेगा। पेट्रोल, फ्लेक्स-फ्यूल और सीएनजी वाहनों पर कार्बन न्यूट्रैलिटी फैक्टर्स के तहत छूट दी जाएगी, जबकि डीजल वाहनों की तुलना में सख्ती बढ़ाई जाएगी। ड्राफ्ट पर फीडबैक की अंतिम तारीख 16 अक्टूबर 2025 है।

भारत में बीई 6 बेटमेन एडिशन की डिलीवरी शुरू

नई दिल्ली

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवीबीई 6 बेटमेन एडिशन की डिलीवरी भारत में शुरू कर दी है। कंपनी ने इसे खासतौर पर कलेक्टर्स और उन ग्राहकों के लिए तैयार किया है, जो सिर्फ वाहन नहीं, बल्कि एक एक्सक्लूसिव और आइकॉनिक अनुभव चाहते हैं। यह मॉडल अपने दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक डिज़ाइन और लिमिटेड यूनिट्स के कारण ऑटोमोबाइल जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। बीई 6 बेटमेन एडिशन का एक्सटीरियर बेहद यूनिक है। कार को सैटिन ब्लैक फिनिश के साथ पेश किया गया है, जबकि अल्केमी गोल्ड पेंटेड सस्पेंशन और ब्रेक कैलिपर्स का कॉन्ट्रास्ट इसे और भी शार्प लुक देता है। 20 इंच के बड़े अलॉय व्हील्स, फ्रंट डोर पर कस्टम बैटमैन डेकल्स और रियर साइड पर ÷बीई 6 गुना द डार्क नाइट बैजिंग इसे खास बनाते हैं। इंटीरियर में बैटमैन थीम का शानदार मेल देखने को मिलता है। चारकोल लेदर इंस्ट्रूमेंट पैनल, गोल्ड सेपिया स्टिचिंग के साथ स्यूडे लेदर अपहोल्स्ट्री, बैट साइन वाली सीट्स और बैटमैन वेलकम एनिमेशन इसे और भी प्रीमियम बनाते हैं।

स्टीयरिंग व्हील, इन टच कंट्रोलर, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और पिनस्ट्राइप ग्राफिक्स कार के प्रीमियम अहसास को और निखारते हैं।

एक्सटीरियर साउंड प्रोफाइल भी बैटमैन यूनिवर्स से इंस्पायर्ड है। परफॉर्मेंस की बात करें तो इसमें 79 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया गया है, जो फुल चार्ज होने पर 683 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। रियल वर्ल्ड कंडीशन्स में भी यह कार लगभग 500 किलोमीटर की रेंज आसानी से देती है। इसका मतलब है कि बीई 6 बेटमेन एडिशन सिर्फ दिखने में स्टाइलिश नहीं है, बल्कि लंबे सफर के लिए भी पूरी तरह सक्षम है।

सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज को एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया से मिला महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट

एयर ट्रैफिक कम्युनिकेशन में डिजिटल क्रांति

15 एयरपोर्ट्स पर एडवांस VHF सिस्टम और सिक्योर नेटवर्क लागू करेगी कंपनी

नई दिल्ली

एन्ड-टू-एन्ड आईटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस की प्रमुख कंपनी सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को हाल ही में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) द्वारा एक महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। यह कॉन्ट्रैक्ट कंपनी को 15 एयरपोर्ट्स पर एडवांस VHF एक्टिव मल्टीकप्लर सिस्टम्स और सिक्योर नेटवर्क सिक्यूरिटी सॉल्यूशन लागू करने की ज़िम्मेदारी सौंपता है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य एयर ट्रैफिक कंट्रोल (TC) टावरों में संचार और सुरक्षा को मजबूत करना है, जिससे भारत के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण होगा।

इस प्रोजेक्ट में ङ्क॥स्न एक्टिव मल्टीकप्लर सिस्टम्स की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग (SITC) शामिल है। इसके अलावा, कंपनी 15 एयरपोर्ट्स पर नेटवर्क ट्रैफिक को मॉनिटर और कंट्रोल करने तथा नेटवर्क में किसी भी घुसपैठ से सुरक्षा प्रदान करने के लिए सिक्योर नेटवर्क सिक्यूरिटी सॉल्यूशन प्रदान करेगी।

सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मिनेश वी. दोशी ने इस विकास पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमें एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के साथ देश के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में सहयोग करने पर गर्व है। यह प्रोजेक्ट मिशन-क्रिटिकल एनवायरनमेंट के लिए अत्याधुनिक, सुरक्षित और मजबूत तकनीकी समाधान प्रदान करने पर हमारे फोकस को दर्शाता है। यह सफलता, सुरक्षित नेटवर्किंग और कम्युनिकेशन सिस्टम्स लागू करने में सिल्वर टच की स्थापित क्षमताओं को उजागर करती है, जिससे कंपनी भारत के डिजिटल और एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में एक भरोसेमंद टेक्नोलॉजी पार्टनर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करती है। सिल्वर टच एआई, क्लाउड, रोबोटिक्स और अन्य उभरती तकनीकों का उपयोग करके अपने क्लाइंट्स को डिजिटल दुनिया में सफल होने में मदद करती है।

टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हुए पीसीबी के चीफ, लेकिन रख दी ये ऊटपटांग शर्त

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने एक ऊटपटांग शर्त रखी है जो पूरी किसी कीमत में तो पूरी होने से रही। भारत ने एशिया कप 2025 फाइनल में पाकिस्तान पर रोमांचक जीत के बाद नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के चीफ और पीसीबी के चेयरमैन भी हैं। वह पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, नकवी ने भारतीय टीम को ट्रॉफी और विनर्स मेडल वापसी करने के लिए एक शर्त रखी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नकवी ने आयोजकों को बताया कि भारतीय टीम को ट्रॉफी और मेडल तभी मिलेंगे जब एक फॉर्मल फंक्शन रखा जाएगा। इतनाही नहीं नकवी ये भी चाहते हैं कि ट्रॉफी और मेडल उनके हाथों से दिलवाया जाएं। हालांकि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंधों को देखते हुए ऐसी कोई व्यवस्था होने की संभावना बहुत कम है। बता दें कि पाकिस्तान से फाइनल जीतने के बाद ट्रॉफी नहीं मिलने पर कप्तान सूर्यकुमायर यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हैरानी जताई।

सूर्या ने कहा कि जब से मैंने क्रिकेट खेलना या देखना शुरू किया है मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा कि विजयी टीम को ट्रॉफी नहीं दी गई हो। वह भी इतनी मेहनत से जीती गई ट्रॉफी। ऐसा नहीं है कि हमने आसानी से जीत ली। हमने काफी मेहनत से ये टूर्नामेंट जीता था।

चीन ओपनः कोको गॉफ ने बेलिंडा बेन्सिक को हराया, क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ (Coco Gauff) ने स्विस स्टार बेलिंडा बेन्सिक (Belinda Bencic) को 4-6, 7-6 (4), 6-2 से हराकर चीन ओपन क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। निर्णायक सेट में गॉफ ने बेन्सिक की सर्व को ब्रेक किया और मैच अपने नाम किया।

दूसरे सीडेड गॉफ ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड को 4-2 से बढ़ाया। इस साल दोनों खिलाड़ियों के बीच तीन मुकाबले हो चुके हैं, जिनमें जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में गॉफ की जीत शामिल है। हालांकि बेन्सिक ने अबू धाबी में जीत दर्ज की थी।

पुरुष वर्ग में सेमीफाइनल और आगामी टूर्नामेंट

बीजिंग में ATP टूर्नामेंट के दो पुरुष सेमीफाइनल भी निर्धारित थे। जैनिक सिन्नर का सामना एलेक्स डी मिनौर से और लीर्नर टिएन का मुकाबला दानील मेदवेदेव से हुआ। पुरुष फाइनल बुधवार को खेला जाएगा और इसके बाद ATP दौरा शंघाई मास्टर्स के लिए 12 दिन के कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ेगा, जो 12 अक्टूबर को फाइनल के साथ समाप्त होगा।

इगा स्वियाटेक ने 400वीं करियर जीत दर्ज की

विम्बलडन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने सोमवार को कोलंबियाई खिलाड़ी कैमिला ओसोरियो को हराकर अपनी 400वीं करियर जीत दर्ज की और चीन ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। स्वियाटेक ने पहले सेट में 6-0 से जीत दर्ज की। ओसोरियो ने दूसरे सेट की पहली गेम में चोट के कारण मैच से वापसी की।

स्वियाटेक ने कहा, 'मुझे कैमिला के लिए अफ़सोस है, क्योंकि वह हमेशा 100 प्रतिशत देती हैं। शुरुआत से ही चोट थी, इसलिए वह खेल नहीं पाई। लेकिन मैंने पहले सेट में अच्छा खेला और अपने गेम से दबाव बनाया।'

स्वियाटेक, जो पिछले हफ्ते सियोल में कोरिया ओपन की विजेता रही और जिनके नाम छह ग्रैंड स्लैम टाइटल हैं, अब अमेरिकी खिलाड़ी एम्मा नवारो के खिलाफ खेलेंगी।

कोच और कप्तान ने अभिषेक को दी थी अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी

पहली गेंद पर आउट हुए तो भी फर्क नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में अपनी तफानी बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी आक्रमक को ध्वस्त करने वाले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव से मिली हुई थी। अभिषेक को टूर्नामेंट में सबसे अधिक रनों के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड भी मिला। गंभीर और सूर्यकुमार ने साफ कर दिया है कि उनको अपने आक्रामक अंदाज में बदलाव करने की जरुरत नहीं है। यहां तक कहा था कि अबर वह बड़ा शॉट खेलते हुए पहली ही गेंद पर भी आउट होते हैं तो हर्ज नहीं है। अभिषेक ने इसके बाद जिस तेजी से खेला और विरोधी टीमों को घटनों पर ला दिया। वह सभी ने देखा। इस बल्लेबाज ने दिखाया कि वह मैच को अकेले ही दूसरी टीम से दूर ले जा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि गंभीर ने ही शिवम से पहला ओवर कराने की सलाह दी थी।

साथ ही कहा कि मैंने और गंभीर ने उसे अपना खेल न बदलने के लिए कहा है क्योंकि इसी से उनकी पहचान बनी थी। इसी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वह टीम में पहुंचे। इसलिए उसे न छोड़ें। उनके इस कौशल से मुकाबले में अंतर आ जाएगा। टी20 एक उच्च जोखिम वाला प्रारुप है इसमें उसे जोखिम उठाने का लाभ मिला।'

वहीं गंभीर की भूमिका को लेकर कप्तान सूर्या ने कहा, वह पर्दे के पीछे से काम करने वाले व्यक्ति हैं, वह कभी भी आगे नहीं आते। वह सबकी सहायता करते हैं, सबका साथ देते हैं। कल उन्होंने ही मुझे शिवम दुबे को नई गेंद से गेंदबाजी कराने के लिए कहा था। वह खेल और दबाव की परिस्थितियों को समझते हैं। वह जानते हैं कि ये सब कैसे काम करता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया ने बहाया जमकर पसीना, इन खिलाड़ियों ने लिया ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने ब्रेक लिया जबकि भारतीय टीम के अन्य सदस्यों ने एशिया कप में शानदार जीत के दो दिन से भी कम समय बाद मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के पहले ट्रेनिंग के दौरान जमकर पसीना बहाया।

कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम के सदस्य सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को यहां पहुंचे और टीम ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में लगभग तीन घंटे तक अभ्यास किया। इसके अलावा रविवार को सफेद गेंद के टूर्नामेंट एशिया कप के समापन और गुरुवार से शुरू होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की एक श्रृंखला के बीच बहुत कम समय होने के कारण भारत को खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन भी करना होगा।

हल्के वार्म अप और कैचिंग के साथ शुरुआत के बाद सभी बल्लेबाजों ने लंबे समय तक नेट पर अभ्यास किया जबकि अन्य तेज गेंदबाजों ने भी कड़ी मेहनत की। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने मौसम साफ होने के बाद लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी की। ये दोनों ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की ओर से दूसरे चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट में भी खेले थे।

दोनों दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अच्छी लय में दिखे और बारिश के बाद अभ्यास विकेट पर अच्छी गति और उछाल हासिल किया। यहां पहुंचने के बाद पिच को देखने वाले गंभीर ने भारत का ट्रेनिंग सत्र समाप्त होने के बाद फिर से पिच का जायजा लिया। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और लोकेश राहुल के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल भी शानदार लय में दिखे जिन्होंने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की कप्तानी की थी।

मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाज बी साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल भी अच्छी लय में दिखे लेकिन कप्तान गिल को भारतीय तेज गेंदबाजों और थ्रो डाउन विशेषज्ञ का सामना करते हुए कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। गिल ने कुछ गेंद बल्ले के बीच से खेली लेकिन कुछ पर चूक गए। साथ ही जब वह डिफेंस के लिए आगे बढ़े तो गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा भी लिया।

एक बार वह तब हैरान भी हुए जब छाती की ऊंचाई की एक उठती हुई गेंद उनके दस्तानों पर लगी। फिर भी गिल ने अलग-अलग नेट पर बल्लेबाजी की और तेज गेंदबाजी, स्पिन और थ्रो डाउन के बीच हर संभव संयोजन के खिलाफ बल्लेबाजी की क्योंकि यह 26 वर्षीय खिलाड़ी पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने पहले घरेलू टेस्ट में भारत की अगुवाई करने के लिए तैयार है।

यह भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पहला घरेलू मैच भी होगा। टीम ने इंग्लैंड में अपने जज्बे और कौशल से सभी को प्रभावित किया था और कड़ी टक्कर वाली श्रृंखला 2-2 से बराबर की थी। शीर्ष चार स्थान तय होने के बाद यह देखना बाकी है कि टीम प्रबंधन नितीश रेड्डी और पडिक्कल में से अतिरिक्त बल्लेबाज के रूप में किसे चुनेगा।

पडिक्कल ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में 150 रन बनाने के बाद नेट में कोई गलती नहीं की जबकि रेड्डी ने भी शानदार लय दिखाई विशेषकर सिराज और प्रसिद्ध के साथ गेंदबाजी करते हुए। रेड्डी के शामिल होने से टीम को तीसरा तेज गेंदबाजी विकल्प मिलेगा और यह देखना बाकी है कि क्या टीम प्रबंधन मैच शुरू होने से पहले मध्यक्रम में इस विकल्प को शामिल करता है।

इन दोनों के एकादश के चयन की बहस में शामिल होने की संभावना है क्योंकि रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप, सिराज और बुमराह सहित बाकी क्रम तय लग रहा है। एशिया कप फाइनल चार विकेट चटकाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कुलदीप वेस्टइंडीज की कमजोर टीम के खिलाफ बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं जिसे भारतीय परिस्थितियों में खेलने का अधिक अनुभव नहीं है। इससे पहले दिन में वेस्टइंडीज की टीम को इनडोर नेट पर अभ्यास करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि बारिश के कारण उनका नेट सत्र केवल आधे घंटे का रह गया था।

चाइना ओपन : यानिक सिनेर ने फाइनल में बनाई जगह, हार्डकोर्ट पर लगातार नौवां फाइनल खेलेंगे

बीजिंग- चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर ने एलेक्स डि मिनौर को 6-4, 3-6, 6-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। यह हार्डकोर्ट पर उनका लगातार नौवां फाइनल है, जो उनके शानदार फॉर्म का सबूत है। अब फाइनल में सिनेर का सामना दानिल मेदवेदेव और उभरते खिलाड़ी लर्नर टियेन के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता से होगा। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गाफ ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंचिच को 4-6, 7-6, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गाफ ने शुरुआती सेट गंवाने के बावजूद जबरदस्त वापसी करते हुए टाईब्रेकर जीता और निर्णायक सेट में दबदबा बनाया। इस जीत के साथ बेंचिच के खिलाफ उनका करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया है। टूर्नामेंट के आगे के चरणों में अब टॉप सीड खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने की उम्मीद है, खासकर सिनेर और मेदवेदेव की संभावित भिड़ंत पर सभी की नजरें टिकी हैं।

गंभीर ने तिलक को लंबे समय तक खेलते रहने कहा था : सूर्यकुमार

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप में जीत के बाद स्वदेश लौटने पर बल्लेबाज तिलक वर्मा की जमकर प्रशंसा की है। तिलक की 69 रनों की नाबाद पारी के बल पर ही भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। तिलक जब मैदान में उतरे थे तब भारतीय टीम ने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे और वह मुश्किल में थी। सूर्यकुमार के अनुसार जब तिलक खेल रहे थे तो कोच गौतम गंभीर ने उन्हें संदेश भेजा था कि इसी प्रकार लंबे समय तक खेलो तो लक्ष्य अपने आप ही हासिल हो जाएगा। तिलक नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और जीत दिला कर ही वापस लौटे थे। उनकी संजू सैमसन और शिवम दुबे के साथ अच्छी साझेदारियां हुई थीं। सूर्यकुमार ने कहा, कोच ने उन्हें संदेश भेजा था कि बस लंबे समय तक खेलें और अगर वे वहीं टिके रहे, तो काम हो जाएगा। साथ ही कहा कि मैं तिलक के लिए बहुत खुश हूं, हम सभी ने देखा कि वह क्या कर सकते हैं। तिलक ने 53 गेंदों में ही 3 चौके और 4 छक्कों की सहायता से नाबाद 69 रन बनाये थे। एशिया कप 2025 में तिलक ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच में 31 रन, ओमान के खिलाफ 29 रन बनाए। पाक के खिलाफ सुपर 4 के मैच में नाबाद 30 रन जबकि श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 49 रन बनाए थे। 6 मैचों में उन्होंने कुल 213 रन बनाये। वे टूर्नामेंट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनान वाले बल्लेबाज रहे।

योगेश कथुनिया ने फिर दिखाया दम, लगातार तीसरे साल भारत को दिलाया पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 का रोमांच अपने चरम पर रहा। भारत के स्टार पैरा एथलीट और दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता योगेश कथुनिया ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाते हुए पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्न56 स्पर्धा में रजत पदक जीता। 28 वर्षीय कथुनिया ने 42.49 मीटर का शानदार थ्रो किया और लगातार तीसरे साल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में रजत हासिल कर इतिहास रच दिया।

लगातार तीसरा रजत पदक

कथुनिया की इस उपलब्धि की खासियत यह है कि यह उनका लगातार तीसरा रजत पदक है। उन्होंने 2023 (फ्रांस) और 2024 (जापान) में हुए विश्व चैंपियनशिप संस्करणों में भी रजत पदक जीते थे। इस बार भी वह ब्राज़ील के अनुभवी एथलीट क्लॉडनी बतिस्ता से पीछे रहे, जिन्होंने 45.67 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, ग्रीस के कॉन्स्टेंटिनोस त्ज़ोनिस ने 39.97 मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। दिलचस्प बात यह है कि टोक्यो 2020 पैरालंपिक और पेरिस 2023 विश्व चैंपियनशिप में भी कथुनिया बतिस्ता के बाद ही दूसरे स्थान पर रहे थे।

गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से चैंपियन तक का सफर

योगेश कथुनिया का सफर बेहद प्रेरणादायक है। नौ साल की उम्र में उन्हें गुइलेन-बैरे सिंड्रोम, एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल स्थिति, हो गई थी। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और 2017 में कॉलेज के दिनों से पैरा स्पोर्ट्स में कदम रखा। देखते ही देखते वह भारत के सबसे भरोसेमंद डिस्कस थ्रो एथलीट बन गए और अब उनके खाते में दो पैरालंपिक रजत और तीन विश्व चैंपियनशिप रजत पदक शामिल हैं।

भारतीय दल का अब तक का प्रदर्शन

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 भारत के लिए शानदार साबित हो रही है। अब तक भारतीय खिलाड़ियों ने छह पदक अपने नाम किए हैं, दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य। सोमवार का दिन तो भारतीय एथलेटिक्स के लिए यादगार बन गया।

रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला फेंक F46 वर्ग में 63.81 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। यह प्रदर्शन चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी बना।

सुंदर सिंह गुर्जर ने उसी स्पर्धा में 64.76 मीटर का थ्रो कर रजत पदक अपने नाम किया।

इससे पहले, ऊंची कूद T63 में शैलेश कुमार ने स्वर्ण और वरुण सिंह भाटी ने रजत पदक जीते।

महिलाओं की 400 मीटर T20 स्पर्धा में दीप्ति जीवनजी ने रजत पदक हासिल किया।

हालांकि भाला फेंक में भारत के अजीत सिंह चौथे स्थान पर रह गए, वरना भारत के पदकों की संख्या में एक और पदक जुड़ सकता था।

भारत की उम्मीदें और आगे का रास्ता

योगेश कथुनिया की लगातार पदक जीत भारत की पैरा एथलेटिक्स ताकत को दर्शाती है। रिंकू और सुंदर जैसे एथलीटों की सफलता ने भी यह साबित कर दिया है कि भारत आने वाले समय में इस खेल की बड़ी ताकत बनकर उभर सकता है। देश के इन जांबाज़ एथलीटों ने न केवल पदक जीते हैं बल्कि पूरे देश को गर्व करने का मौका दिया है।

भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने कैनबरा चिल को 3-1 से हराया

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया) । ईशिका के दो गोलों की मदद से भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के क्लब कैनबरा चिल को 3-1 से हरा कर इस दौरे की दूसरी जीत दर्ज की। ईशिका ने 13वें और 39वें मिनट में गोल किए, जबकि सोनम ने 27वें मिनट में गोल दागा। भारतीय टीम ने 11वें मिनट में गोल खाने के बावजूद मैच में दबदबा बनाए रखा। कैनबरा चिल के लिए, नाओमी इवांस ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। यह हालांकि घरेलू टीम के लिए एकमात्र सफलता थी, क्योंकि भारत ने दो मिनट बाद ही पलटवार किया जब ईशिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। सोनम ने स्कोर 1-1 से बराबर होने के बाद मध्यांतर से पहले मैदानी गोल करके भारत को बढ़त दिला दी। ईशिका ने मैच के तीसरे क्वार्टर में अपना दूसरा गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। भारत ने दौरे पर अब तक दो मैच जीते हैं और दो हारे हैं। टीम बृहस्पतिवार को कैनबरा चिल के खिलाफ अपना अंतिम दौरा मैच खेलेगी।

काशी की प्रियंका वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में लेगी भाग

वाराणसी । काशी की शूटर प्रियंका पटेल काहिरा में चार से आठ नवंबर तक होने वाली आई एस एस एफ वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। जिला राइफल क्लब की कार्यकारिणी के सदस्य पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रियंका प्रदेश की पहली महिला खिलाड़ी हैं जो 50 मीटर फ्री पिस्टल फायर आर्म्स में विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही हैं। कोच संजीव ने बताया कि 3 साल से प्रियंका 50 मीटर और 10 मीटर फ्री पिस्टल में पदक जीत रही है। इसी वर्ष 23 सितंबर को भोपाल में हुए ट्रायल्स में प्रियंका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में चयन हुआ है। मुलरूप से भूलनपुर के मड़ोली निवासी प्रियंका के पिता की किसान है। उनके चयन पर संगठन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीप मधोक, संयुक्त सचिव आनंद सिंह ने बधाई दी है।

सैमसन किसी एक टूर्नामेंट में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

दुबई । एशिया कप फाइनल में भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपनी 24 रनों की पारी के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया। सैमसन इस पारी में लगाये छक्के के साथ ही भारतीय टीम की ओर से किसी एक टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इस प्रकार सैमसन ने दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और और आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पीछे छोड़ दिया है। धोनी और पंत ने एक टी20 मल्टीनेशन टूर्नामेंट में 6-6 छक्के लगाए थे, जबकि संजू सैमसन ने टी20 एशिया कप 2025 में 7 छक्के लगाकर उनको पीछे छोड़ दिया। धोनी ने टी20 वर्ल्ड कप 2009 और ऋषभ ने टी20 विश्व कप 2024 में 6 छक्के पूरे सत्र में लगाये थे। सैमसन एशिया कप 2025 से पहले सलामी बल्लेबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल थे पर शुभमन गिल की वापसी के बाद उनको मध्य क्रम में भेज दिया गया पर उन्होंये यहां भी अपने को साबित किया। एक मैच में नंबर तीन पर उतरकर उन्होंने अर्धशतक भी जड़ा था, जबकि तीन अन्य पारियों में उन्होंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी की। इनमें से एक मैच में उन्होंने 13 रन, एक मैच में 39 और फाइनल में 24 रनों की पारी खेली। एशिया कप के 7 मैचों में से 4 मैचों में बल्लेबाजी की। कुल 132 रन 33 के औसत और 124.53 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बनाए।

ऐश्वर्या पिस्से ने रचा इतिहास, डब्ल्यू2आसी पुर्तगाल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मोटरस्पोर्ट्स का नाम अब दुनिया के सबसे कठिन रैली-रेड टूर्नामेंट में चमक रहा है। बेंगलुरु की 29 वर्षीय राइडर ऐश्वर्या पिस्से ने पुर्तगाल में खेले गए एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप (W2RC) 2025 के चौथे राउंड में शानदार उपलब्धि हासिल की। उन्होंने रैली2 - महिला वर्ग में खिताब जीतकर न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की पहली महिला विजेता बनने का गौरव पाया। यह जीत ऐश्वर्या के लिए व्यक्तिगत सफलता से कहीं अधिक है—यह आने वाली पीढ़ी की महिलाओं को सपनों को हकीकत में बदलने की प्रेरणा देती है।

कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन

बीपी अल्टीमेट रैली-रेड पुर्तगाल अपने कठोर ट्रैक और लंबी दूरी के कारण मशहूर है। इस प्रतियोगिता में राइडर्स को छह दिनों तक 2,000 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी, जिसमें 1,225 किलोमीटर प्रतिस्पर्धी चरण शामिल थे। रास्ते पूरी तरह बजरी वाले थे और पुर्तगाल व स्पेन की चुनौतीपूर्ण भूमि से होकर गुजरते थे। इन कठिन हालातों में ऐश्वर्या ने न केवल अपनी कैटेगरी में शीर्ष स्थान पाया, बल्कि कुल मिलाकर 27वां स्थान हासिल किया, यह किसी भी भारतीय महिला राइडर के लिए अभूतपूर्व सफलता है।

प्राइवेटियर से बनी रोल मॉडल

रैली-रेड को दुनिया की सबसे कठिन रेसिंग सीरीज़ माना जाता है। एक प्राइवेटियर के तौर पर भाग लेने वाली ऐश्वर्या की सफलता उनकी दृढ़ता और आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण है। टीवीएस रेसिंग और अन्य भागीदारों के सहयोग से उन्होंने यह दिखा दिया कि सही हौसला और मेहनत से अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह बनाई जा सकती है। आज वे न सिर्फ भारत बल्कि पूरे एशिया की महिला राइडर्स के लिए रोल मॉडल बन चुकी हैं।

ऐश्वर्या का संदेशः सपनों की कोई सीमा नहीं

जीत के बाद ऐश्वर्या ने कहा, 'यह पल मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस स्तर पर एशिया और भारत की पहली महिला विजेता बनना केवल मेरी जीत नहीं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए संदेश है जो बड़े सपने देखती हैं।÷ उनकी यह बात साफ करती है कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत गौरव नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव की प्रेरणा भी है।

डकार रैली 2027 पर नजर

पुर्तगाल की यह सफलता ऐश्वर्या के अगले बड़े लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम है। वह डकार रैली 2027 में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं, जहाँ उनका सपना दो पहियों पर इसे पूरा करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का है। पुर्तगाल में मिली जीत ने उन्हें अमूल्य अनुभव, आत्मविश्वास और गति प्रदान की है। अब वे और मजबूती से दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित रैली में भारतीय तिरंगा लहराने की तैयारी में जुटी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रैवल फोटोग्राफी

कैमरे में कैद करो संसार

एक तस्वीर बहुत कुछ बयां कर सकती है। वह आपको चकित या आनंदित कर सकती है। यही नहीं, अगर तस्वीर खींचने वाला यानी फोटोग्राफर कल्पनाशील और क्रिएटिव हो, उसके पास एस्थेटिक सेंस हो, तो वह संसार में मौजूद कई अद्भुत चीजों को कैमरे में कैद कर सकता है। फोटोग्राफी के ही कई स्वरूपों में से एक है ट्रैवल फोटोग्राफी।

जिन युवाओं को नौ से पांच ड्यूटी करने के बजाय कैमरे से देश-दुनिया को एक्सप्लोर करने में आनंद आता है, उनके लिए यह एक परफेक्ट फील्ड हो सकता है। आज युवाओं को यह प्रोफेशन काफी अपील कर रहा है।

क्या है ट्रैवल फोटोग्राफी?

यह फोटोग्राफी का ही एक अंग है, जिसमें किसी खास क्षेत्र के लैंडस्केप, आबादी, संस्कृति, रीति-रिवाज या इतिहास का डॉक्यूमेंटेशन होता है। एक ट्रैवल फोटो वह इमेज होती है, जिसमें हम किसी स्थान या समय की अनुभूति करते हैं, जो किसी इलाके के लोगों, वहां की संस्कृति या प्राकृतिक सौंदर्य से हमारा परिचय कराती है।

एक ट्रैवल फोटोग्राफर देश-दुनिया की सैर कर, अलग-अलग प्रकार की तस्वीरें खींचता है और फिर उन्हें ट्रैवल बुक पब्लिशर्स, पोस्टकार्ड कंपनीज, मैगजीन्स, होटल्स, न्यूजपेपर्स, वेबसाइट्स आदि को बेचता है। वह प्रोफेशनल या एमेच्योर दोनों हो सकता है।

पर्सनल स्किल्स

तस्वीरें खींचने का अपना मजा है लेकिन एक कामयाब ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए ट्रैवलिंग के साथ-साथ फोटोग्राफी का भी पैशन होना चाहिए। आपके अंदर तस्वीरों के जरिए कहानी बयां करने की चाहत होनी चाहिए। आप फील्ड से जुड़ी जितनी जानकारी रखेंगे, उतना बेहतर रहेगा।

इंडस्ट्री में आज जिस तरह की प्रतिस्पर्धा है, बुक्स, मैग्जींस, न्यूजपेपर्स से लेकर ऑनलाइन पोर्टल्स पर विभिन्न फोटोग्राफर्स की उम्दा तस्वीरें देखने को मिलती हैं, उसके मद्देनजर जब आपका भी काम स्तरीय होगा, तो लोग खुद ही अप्रोच करेंगे। इसलिए काम में परफेक्शन और यूनीकनेस बेहद जरूरी है।

इन पर भी दें ध्यान

ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए आपके पास सबसे पहले एक अच्छा डिजिटल कैमरा होना जरूरी है। इसके अलावा, लाइटिंग की समझ होनी चाहिए। रोशनी के साथ चलने और चीजों को देखने की नजर होनी चाहिए। अगर अपना पोर्टफोलियो और वेबसाइट होगा, तो प्रोफेशनल ग्रोथ मिलने में आसानी होगी। कुल मिलाकर आप जितने क्रिएटिव और टेक्निकली साउंड होंगे, विजुअल्स और कलर में दिलचस्पी रखेंगे, आपका काम उतना ही निखरकर सामने आएगा। एक ट्रैवल फोटोग्राफर को अलग-अलग जगहों की संस्कृति और परंपरा की जानकारी होना जरूरी है।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

आप हायर सेकंडरी या ग्रेजुएशन के बाद फोटोग्राफी से रिलेटेड कोर्स कर सकते हैं। भारत में कई इंस्टीट्यूट्स फोटोग्राफी और ट्रैवल फोटोग्राफी में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री कोर्स कराते हैं। आप चाहें, तो ऑनलाइन रिसर्च करके भी इसके बारे में जरूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कई इंस्ट्रक्शनल वीडियोज मौजूद हैं, जिन्हें फॉलो कर फोटोग्राफी की बारीकियां सीखी जा सकती हैं।

बहुत है स्कोप

ट्रैवल फोटोग्राफर्स किसी ऑर्गेनाइजेशन के साथ जुड़कर या फ्रीलांसिंग कर अच्छी कमाई कर सकते हैं। अगर आपके पास प्रभावशाली राइटिंग स्किल भी है, तो फोटोग्राफी के साथ-साथ ट्रैवल राइटिंग में भी हाथ आजमा सकते हैं। नेशनल ज्योग्राफिक और आउटलुक ट्रैवलर्स में हमेशा क्वॉलिटी प्रोफेशनल्स की डिमांड रहती है। इसके अलावा, किसी स्टूडियो में या सीनियर फोटोग्राफर के असिस्टेंट के रूप में भी आप काम शुरू कर सकते हैं।

एडमिशन से पहले करें यह होमवर्क

एडमिशन के लिए अच्छे कॉलेज का चयन करना हर स्टूडेंट के सामने एक कड़ी चुनौती होती है। अगर इस मोड़ पर कोई गलती हो गई, तो पूरा करियर इस गलती की सजा भुगत सकता है। अतः यहां कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसे आप एडमिशन से पहले का 'होमवर्क' भी कह सकते हैं।

स्टूडेंट को स्वयं को परखना चाहिए कि वह कहां खड़ा है, उसकी पढ़ाई का क्या बैकग्राउंड है। इसके लिए संस्थानों की वेबसाइट देखकर एडमिशन का विवरण समझ लें। फिर स्वयं संस्थान में जाकर पड़ताल करें। प्रत्येक संस्थान के एडमिशन के क्राइटेरिया अलग-अलग होते हैं। उसी आधार पर स्वयं का आकलन कर संस्थान का चयन करें। संस्थान चयन में यह सतर्कता आपकी राह आसान करेगी।

चयन का फॉर्मूला

किसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पूर्व संस्थान की संबद्धता, मान्यता, मैनेजमेंट, फैकल्टी और वहां पढ़ रहे स्टूडेंट्स से मिलकर वहां के नियम-कायदे को जानना ठीक रहता है। संस्थान चयन में विज्ञापन के मायाजाल से बचने के लिए स्वयं वहां जाकर उसकी गुणवत्ता को परखें और विशेषज्ञ से सलाह-मशविरा जरूर करें। अगर आप इस तरह की जांच-पड़ताल करते हैं, तो आप बेहतर संस्थान के काफी करीब पहुंच सकते हैं।

जानें मान्यता

आप जिस भी संस्थान में पढ़ाई करने का निर्णय करने जा रहे हैं, उससे पहले बेहतर होगा कि आप जान लें कि उस संस्थान की मान्यता है भी कि नहीं। अगर है, तो संस्थान की संबद्धता किस आधार पर है। जिस आधार पर मान्यता मिली है, उसकी कसौटी पर वह कितना खरा है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो गुमराह होने की संभावना कम हो सकती है।

फैकल्टी है अहम

किसी भी संस्थान की फैकल्टी का रोल अहम होता है। यदि फैकल्टी अच्छी है, तो भविष्य भी बेहतर होने के चांसेज बढ़ जाते हैं। इसलिए फैकल्टी को पहली प्राथमिकता देते हुए संस्थान को वरीयता क्रम में फर्स्ट चॉइस में रखें। करियर की दृष्टि से यह जानना महत्वपूर्ण है कि टीचर का बैकग्राउंड क्या है, अर्थात वह किस संस्थान से पास-आउट है। यह सब जानकारी उस संस्थान में पढ़ रहे सीनियर्स से बेहतर कोई नहीं दे पाएगा।

क्लाइंट की इमेज चमकाएगी आपका करियर

आपकी इमेज ही सब कुछ है, जो पहली बार में दूसरों के सामने आपका इंप्रेशन क्रिएट करती है। हर मौके पर आप हर तरह से परफेक्ट और स्पेशल दिखें, इमेज कंसल्टेंट इसी में आपकी मदद करता है। सेलिब्रिटीज, कॉर्पोरेट्स आदि को इसकी खास जरूरत पड़ती है। आप इससे संबंधित कोर्स और ट्रेनिंग के बाद आसानी से इमेज कंसल्टेंट बन सकते हैं।

क्या है काम?

इमेज कंसल्टेंट ही इस बात का ध्यान रखता है कि किस अवसर पर किसी सेलिब्रिटी को किस तरह की ड्रेस पहननी है। साथ ही, वह ड्रेस की स्टाइल और कलर, हेयर स्टाइल और एक्सेसरीज भी सिलेक्ट करता है। इमेज कंसल्टेंट को फैशन स्टाइलिस्ट और वॉर्डरोब मैनेजर के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि वह अपने क्लाइंट के लिए हर खास मौके का वॉर्डरोब भी मैनेज करता है। पब्लिक प्लेस में उसका क्लाइंट खुद को कैसे प्रस्तुत करता है, इसके लिए इमेज कंसल्टेंट कम्यूनिकेशन स्किल के साथ बॉडी लैंग्वेज पर भी नजर रखता है।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए डिग्री लेवल का कोई कोर्स नहीं है। कुछ संस्थान प्रोफेशनल या एडवांस्ड डिप्लोमा इन इमेज कंसल्टिंग और सर्टिफिकेट कोर्स कराते हैं। इसमें स्टाइल, बॉडी एंड कलर एनालिसिस, वॉर्डरोब मैनेजमेंट की जानकारी आदि दी जाती है। वहीं कुछ संस्थान इमेज कंसल्टेंट्स का सर्टिफिकेट लेवल का ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रोग्राम भी चलाते हैं।

चाहिए ये स्किल्स

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए लेटेस्ट फैशन की जानकारी, अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल के साथ-साथ मजबूत प्रेजेंटेशन स्किल होना चाहिए। मार्केटिंग और सेल्फ प्रमोशन के साथ अलग-अलग संस्कृतियों को पहचानने की स्किल भी होनी चाहिए ताकि कल्चर के अनुसार ही इमेज कंसल्टिंग की जा सके। क्लाइंट की बॉडी लैंग्वेज और कलर की साइकोलॉजिकल समझ के साथ उसकी लाइफस्टाइल के बारे में भी पता होना चाहिए ताकि आप उसे बेहतर लुक दे सकें और क्लाइंट भी कंफर्टेबल महसूस कर सके।

करियर स्कोप

एयरलाइंस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की सफलता एम्प्लॉयीज की बेहतर इमेज पर निर्भर करती है क्योंकि इनके एम्प्लॉयीज यहां आने वाले लोगों से इंटरेक्शन करते हैं। ऐसे में एम्प्लॉयीज में बेहतर इंटरेक्शन स्किल विकसित करने के लिए इस इंडस्ट्री में इमेज कंसल्टेंट की मांग बढ़ी है। फैशन इंडस्ट्री में मॉडल्स और डिजाइनर्स के पर्सनल इमेज कंसल्टेंट के तौर पर भी अच्छी संभावनाएं हैं। गारमेंट रिटेल इंडस्ट्री भी इमेज कंसल्टेंट्स को नियुक्त कर रही है, जो फैशन बदलने पर कैसे गारमेंट्स खरीदने हैं, क्लाइंट्स को इसकी सलाह देते हैं। एचआर और रिक्रूटमेंट एजेंसी में भी काम कर सकते हैं, ताकि जॉब सीकर्स की एनालिसिस की जा सके और सोर्स कंपनीज को परफेक्ट एम्प्लॉयीज मिल सकें। आप प्राइवेट इमेज कंसल्टेंट, वॉर्डरोब मैनेजर और फैशन एडवाइजर के तौर पर भी जॉब कर सकते हैं।

सैलरी कितनी?

इमेज कंसल्टेंट की कोई तय सैलरी नहीं है। यह इमेज कंसल्टेंट के वर्क नेचर, अनुभव और क्लाइंट पर निर्भर करती है। खुद की फर्म शुरू करना बेहतर होता है क्योंकि इसके लिए आपको न तो बहुत ज्यादा इनवेस्टमेंट करने की जरूरत पड़ती है और न ही स्टाफ रखने की। आपको खुद ही क्लाइंट की काउंसलिंग करनी होती है। अगर आपके पास आवश्यक स्किल्स हैं, तो मार्केट डिमांड के अनुसार प्रति माह 15,000 से 20,000 रुपए आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इमेज कंसल्टिंग बिजनेस इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
इस्टीट्यूटी कैलगरी, मुंबई
फर्स्ट इम्प्रेशन, भुवनेश्वर
स्टर्लिंग स्टाइल एकेडमी, मुंबई
इमेज, स्टाइल एंड एटिकेट कंस्लटेंट, गुड़गांव

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय मल्होत्रा के निधन पर पीएम मोदी ने जताया शोक

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार सुबह 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताते हुए कहा कि वे असाधारण नेता थे, जिन्हें लोगों की समस्याओं की गहरी समझ थी। उनके निधन की खबर से भाजपा परिवार और समर्थकों में शोक की लहर है।

दिल्ली भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर उनके निधन की पुष्टि करते हुए लिखा है, कि भाजपा के वरिष्ठ नेता, दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा जी के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। दुःख की इस घड़ी में पूरा भाजपा परिवार उनके परिजनों के साथ खड़ा है।

वहीं पीएम मोदी ने भी विजय कुमार मल्होत्रा के निधन पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, विजय कुमार मल्होत्रा जी एक असाधारण नेता थे, जिन्हें लोगों की समस्याओं की गहरी समझ थी।

उन्होंने दिल्ली में भाजपा को मज़बूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें उनके संसदीय योगदानों और संगठनात्मक क्षमता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उनके निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है।

विजय कुमार मल्होत्रा लंबे समय तक भाजपा और जनसंघ से जुड़े रहे और उन्होंने संगठन को खड़ा करने में अग्रणी भूमिका निभाई। वह दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष होने के साथ-साथ संसद में पार्टी के सशक्त प्रतिनिधि रहे। उन्हें एक प्रखर वक्ता और संगठनकुशल नेता के रूप में जाना जाता था। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके निधन को भाजपा के लिए अपूर्णीय क्षति बताया है।

कांग्रेस के लोग हमेशा पाकिस्तान का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तैयार रहते हैं

बीजेपी त्रिवेदी ने टीम इंडिया को बधाई नहीं देने पर कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान पर भारत की शानदार जीत की सराहना की। इस टूर्नामेंट में भारत ने लगातार तीन बार पाकिस्तान को हराकर जीत की हैट्रिक लगाई है। भारतीय टीम ने इस एशिया कप में सभी मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया। इसके लिए निश्चित रूप से भारतीय क्रिकेट टीम, कप्तान सूर्यकुमार यादव और सभी साथी खिलाड़ी, कोच, सपोर्ट स्टाफ बधाई के पात्र हैं। पीएम मोदी ने बहुत साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हो या खेल का मैदान, निष्कर्ष एक ही है, भारत की शानदार जीत। परंतु दुख का विषय है और आश्चर्य की बात नहीं है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी या प्रियंका गांधी का अभी तक भारतीय क्रिकेट टीम के लिए कोई बधाई संदेश नहीं आया। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि खेलों को राजनीति से अलग रखिए। आपके मन में पीएम मोदी के लिए जो भी खीज, ईर्ष्या, द्वेष या इनफिरियॉरिटी कॉम्प्लेक्स हो, उसके कारण भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की कोई छाया मत डालिए।

उन्होंने कहा कि इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि कांग्रेस की यूपीए सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम का एक बयान आया है जिसमें चिदंबरम ने कहा है कि 26/11 के हमले के बाद, जब वह गृहमंत्री बने, तो उनका विचार था कि पाकिस्तान पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन तत्कालीन पार्टी नेतृत्व ने उसकी अनुमति नहीं दी। अब इससे साफ हो जाता है कि पाकिस्तान के साथ डील करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के मन का रुझान क्या था।

26/11 हमले के 9 महीने बाद मिस्र के शर्म-अल-शेख में जॉइंट डिक्लेरेशन में जिस तरह भारत को शर्मसार किया, वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण था। दुख और आश्चर्यजनक बात यह है कि इस जॉइंट डिक्लेरेशन में बलूचिस्तान का भी उल्लेख किया गया था। अर्थात एक प्रकार से वे उस झूठ को भी स्वीकार करने को तैयार हो गए थे। कांग्रेस द्वारा यह प्रचार किया गया कि मानो बलूचिस्तान में हमारा कोई इन्वॉल्वमेंट हो, जो पाकिस्तान ने भी फैलाया है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि चाहे जंग का मैदान हो, कूटनीति का मैदान हो या खेल का मैदान, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग हमेशा पाकिस्तान का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तैयार रहते हैं। यहां तक कि यूईए जैसे मेजबान देश के साथ भारत के मधुर संबंध और व्यावसायिक रिश्तों के बावजूद यदि भारत किसी कारणवश वहां न जाता और खटास उत्पन्न होती, तो इसके लिए भी वही लोग प्रयत्नशील रहते।

भारतीय टीम की इस शानदार जीत पर कांग्रेस नेताओं के मुंह से एक शब्द तक नहीं निकला। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान के पक्ष में हर प्रकार के प्रोपेगेंडा में साथ देने को तैयार है।

यह चाहे इंटरनेशनल डिप्लोमेसी का विषय हो, तथाकथित भारत विरोधी प्रोपगंडा का मामला हो या खेल का मैदान हो। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय जितनी सुर्खियां कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोगों ने पाकिस्तानी मीडिया में बटोरी और जो कुछ उन्होंने कहा था, वह भारत और भारतीय सेना का मनोबल कम करने वाला था। जो लोग भारतीय सेना का मनोबल कम करने में जमीन आसमान एक कर रहे थे, वही आज भारतीय खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए एक शब्द तक नहीं निकल रहा है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि केवल गठबंधन का नाम इंडिया रख लेने से दिल में इंडिया नहीं आ जाता।

आज आरएसएस के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो रहे पीएम मोदी

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने वाले है। प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई है। 1925 में डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा नागपुर (महाराष्ट्र) में स्थापित आरएसएस एक स्वयंसेवी संगठन है, जिसका उद्देश्य नागरिकों में सांस्कृतिक जागरूकता, अनुशासन, सेवा भाव और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना है। संघ का लक्ष्य देशभक्ति और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण के द्वारा से भारत का सर्वांगीण विकास करना है। यह संगठन मातृभूमि के प्रति समर्पण, संयम, साहस और वीरता जैसे गुणों को प्रोत्साहित करता है। बीते 100 वर्षों में संघ ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण काम किया है। बाढ़, भूकंप और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान आरएसएस के स्वयंसेवकों ने राहत और पुनर्वास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई है। इतना ही नहीं संघ के सहयोगी संगठनों ने युवाओं, महिलाओं और किसानों को सशक्त बनाने, सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदायों को मजबूत करने में भी योगदान दिया है। संघ का उदय सदियों के विदेशी शासन के खिलाफ एक जन-आंदोलन के रूप में देखा जाता है। संगठन का विकास भारत के सांस्कृतिक गौरव और धर्म से प्रेरित इसके दृष्टिकोण के कारण हुआ है, जो लोगों के बीच गहरी भावनात्मक छाप छोड़ता है। यह शताब्दी समारोह न केवल आरएसएस की ऐतिहासिक उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक यात्रा और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में इसके योगदान को भी रेखांकित करता है।

तेल किस देश से खरीदना हैं, ये भारत तय करेगा कोई देश हम पर दबाव बनाकर आदेश नहीं दे सकता

थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने विदेश और व्यापार नीति पर दिया बयान

नई दिल्ली

पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने बातचीत के दौरान भारत की विदेश और व्यापार नीति पर महत्वपूर्ण और स्पष्ट विचार रखे हैं। पूर्व थलसेना प्रमुख नरवणे ने कहा कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की नीति पर कायम रहेगा। इसका अर्थ है कि भारत अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाएगा और किसी भी देश के बाहरी दबाव में अपनी नीतियों को नहीं बदलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अपने लोगों के हितों को सर्वोपरि रखेगा। इस बात से किसी भी तरह से कोई समझौता नहीं करेगा। सस्ते दाम पर तेल या अन्य सामान खरीदना देश में महंगाई को रोकने और लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए जरुरी है। उनका सवाल था कि जब यूरोप रूस से गैस खरीद रहा है और अमेरिका भी व्यापार कर रहा है, फिर केवल भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। जनरल नरवणे ने दो टूक शब्दों में कहा कि कोई भी देश भारत को यह निर्देश नहीं दे सकता कि वह किससे व्यापार करे और किससे साथ नहीं करे।

उन्होंने कहा, हम जिससे चाहें, उससे तेल और सामना खरीद सकते है। कोई और हमें यह निर्देश देने वाला कौन होता है? यह भारत की स्वतंत्र क्रय शक्ति पर ज़ोर देता है। उन्होंने उन देशों की नीतियों पर सवाल उठाया जो भारत पर प्रतिबंधों के कारण वेनेजुएला, ईरान या रूस जैसे देशों से व्यापार न करने का दबाव डालते हैं, जबकि चाहते हैं कि भारत केवल उनसे व्यापार करे जिससे उनके (दबाव बनाने वाले देशों के) स्वार्थ पूरे हों। उन्होंने इसे किसी भी स्वाभिमानी देश के लिए अस्वीकार्य बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत पूरी तरह से रूस पर निर्भर नहीं है, बल्कि दुनिया के कई अन्य देशों से भी आयात करता है।

उन्होंने कहा कि हम वहीं करने वाले हैं, जो हम चाहते हैं, और मुझे लगता है कि हम उस स्थिति में पहुंच चुके हैं जहां हमें किसी और की बात सुनने की जरूरत नहीं है। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत और अमेरिका के बीच उत्कृष्ट संबंध हैं, लेकिन किसी भी रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं।

उन्होंने कहा कि देशों के संबंध कई स्तरों पर (राजनीतिक, कूटनीतिक, व्यापारिक, सैन्य) चलते हैं, इसलिए एक स्तर पर समस्या आने से पूरा रिश्ता खराब नहीं होता।

भारत-अमेरिका संबंधों पर विचार

जनरल नरवणे ने भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को लेकर कहा कि दोनों देशों के बीच हमेशा से उत्कृष्ट संबंध रहे हैं, लेकिन किसी भी रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं। उन्होंने कहा, पहले भी दो बड़े उतार-चढ़ाव आए हैं, लेकिन हमने हमेशा इन तूफानों का सामना किया और पहले से अधिक मजबूत होकर उभरे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि देशों के बीच संबंध केवल एक स्तर पर नहीं चलते, बल्कि इसमें राजनीतिक, कूटनीतिक, व्यापारिक, सैन्य और लोगों से लोगों के बीच संपर्क जैसे कई कारक शामिल होते हैं। यह जरूरी नहीं कि एक स्तर पर समस्या होने से पूरा रिश्ता खराब हो जाए।

अल्लाह सबसे बड़ी ताकत है, किसी से डरने की जरूरत नहीं: ओवैसी

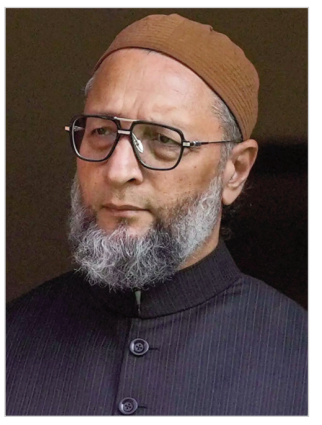

कोल्हापुर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद मुस्लिमीन ने यशोलक्ष्मी मैदान में विशाल जनसभा का आयोजन किया। प्रदेश अध्यक्ष इम्तियाज जलील ने कहा कि कोल्हापुर और इचलकरंजी में उनकी सभाओं का विरोध करने की कोशिश की गई। लेकिन, एआईएमआईएम डटकर मुकाबला करेगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश में आई लव मोहम्मद बैनर को लेकर हुए विवाद का जिक्र कर कहा कि पैगंबर मोहम्मद का स्थान उनके दिलों में है, जिसे कोई मिटा नहीं सकता। मुस्लिम समुदाय को संदेश देकर ओवैसी ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद से सच्चा प्रेम दिखाने के लिए पांच वक्त की नमाज पढ़ें, रोजा रखें और किसी महिला पर हाथ न उठाएं। हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने अपने भाषण में कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने पहलगाम में 26 भारतीय नागरिकों की मौत का जिक्र कर भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा। उन्होंने पूछा कि जब प्रधानमंत्री कहते हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तब भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच क्यों कराया गया?

ओवैसी ने हिंदुत्ववादी संगठनों पर निशाना साधकर कहा, मैं धर्म के लिए मरने को तैयार हूं, क्या तुम तैयार हो? इतना ही नहीं ओवैसी ने पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि उन्हें, जो चार बार सांसद और दो बार विधायक रहे, नोटिस थमाया गया, जबकि अन्य नेताओं को ऐसी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ता।

करूर भगदड़ हादसे की जांच के लिए एनडीए टीम करेगी दौरा, 41 की हो चुकी है मौत

चेन्नई तमिलनाडु के करूर जिले में राजनेता विजय की तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) की रैली में मची भगदड़ ने पूरे देश को सदमे में डाल दिया है। इस हादसे में अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 18 महिलाएं, 9 बच्चे और 13 पुरुष शामिल हैं। हादसे की जांच के लिए मंगलवार को हेमा मालिनी के नेतृत्व में एनडीए टीम दौरा करने वाली है। पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन समेत तमाम राजनेताओं ने हादसे पर दुख प्रकट कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, एल मुरुगन और तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख नैनार नागेंद्रन ने पहले ही प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। करूर हादसे में 41 लोगों की मौत और करीब 100 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना 27 सितंबर को वेलुसाम्यपुरम में करूर-ईरोड हाईवे पर हुई, जहां मिली अनुमति से ज्यादा समर्थक जुट गए। भीड़ के अपने प्यारे अभिनेता और राजनेता विजय को देखने के उत्साह में स्टेज की ओर बढ़ने से भगदड़ मची। तमिलनाडु सरकार ने पूर्व न्यायाधीश अरुणा जगदीश की एक सदस्यीय जांच आयोग गठित किया है, जो घटनास्थल का दौरा कर चुका है। सीएम एम के स्टालिन ने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपए और घायलों को 1 लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की है। वहीं, टीवीके प्रमुख विजय ने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए मृतकों के परिजनों को 20 लाख और घायलों को 2 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। उन्होंने मद्रास हाईकोर्ट में डीएमके पर साजिश का आरोप लगाते हुए सीबीआई या एसआईटी जांच की मांग की है।

पीएम मोदी को हिंसा और डर की राजनीति बंद कर संवाद करना चाहिए: राहुल

नेता प्रतिपक्ष ने लद्दाख में हुई हिंसा को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लद्दाख में हुई हिंसा को लेकर मंगलवार को केंद्र सरकार को घेरा। एक पूर्व सैनिक के मारे जाने का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने इस केंद्रशासित प्रदेश के लोगों के साथ धोखा किया है। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी को हिंसा और डर की राजनीति बंद करके संवाद करना चाहिए। हिंसा की न्यायिक जांच होनी चाहिए। बीते 24 सितंबर को हुई हिंसा में कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले पूर्व सैनिक त्सावांग थारचिन की भी मौत हो गई थी। राहुल गांधी ने एक्स पर थारचिन के पिता का वीडियो साझा किया। राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा- पिता फौजी, बेटा भी फौजी, जिनके खून में देशभक्ति बसी है। फिर भी बीजेपी सरकार ने देश के वीर बेटे की गोली मारकर जान ले ली, सिर्फ इसलिए क्योंकि वह लद्दाख और अपने अधिकार के लिए खड़ा था। उन्होंने कहा कि पिता की दर्द भरी आंखें बस एक सवाल कर रही है- क्या आज देशसेवा का यही सिला है?

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमारी मांग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी, आपने लद्दाख के लोगों को धोखा दिया है। वह अपना हक मांग रहे हैं। संवाद कीजिए। हिंसा और डर की राजनीति बंद कीजिए। केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की ओर से बंद बुलाया गया था। इस दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प के बाद 24 सितंबर को लेह में कर्फ्यू लगा दिया गया

भारत की निचली अदालतें, दुनिया में सबसे निष्पक्ष

नई दिल्ली

भारत की निचली अदालतो के जजों द्वारा दिए गए फैसले दुनिया में सबसे ज्यादा निष्पक्ष पाये गए हैं। ईटीएच ज्यूरिख इंपीरियल कॉलेज लंदन हार्वर्ड और डार्टमाउथ कॉलेज के हजारों शोधकर्ताओं ने 7.7 करोड़ मुकदमों का डेटाबेस तैयार किया है। इसमें 2010 से लेकर 2018 के 50 लाख भारतीय अदालतों के आपराधिक मामलों का विश्लेषण किया गया है। सभी केस भारतीय निचली अदालतों के थे। नतीजे में पाया गया भारत की निचली कोर्ट के जज निष्पक्ष रूप से काम कर रहे हैं। उनके फेसलों में निष्पक्षता देखने को मिली है। दुनिया के अन्य देशों के निर्णयों में पक्षपात देखने को मिला है। अमेरिका में अश्वेत और श्वेत के आधार पर फैसले लिए जाते हैं। इजराइल में यहूदी और अरब जज अपने समुदाय का पक्ष लेते हैं। केन्या और चीन में भी जाति और लैंगिक पक्षपात के प्रमाण शोधकर्ताओं को मिले हैं। भारत में पक्षपात पूर्ण निर्णय की संभावना सीमित पाई गई है। भारत की निचली अदालतें धार्मिक त्योहार महिलाओं से जुड़े अपराध मे पक्षपाती नहीं है। शोधकर्ताओं ने अपने शोध में पाया है, भारत में महिला जज महिलाओं को ज्यादा राहत देती हुई नहीं दिखती हैं। उनका फैसला निष्पक्ष होता है। मुस्लिम प्रतिवादी को मुस्लिम जजों से कोई लाभ नहीं मिलता है। फैसले में जाति आधार पर भी जजों द्वारा निष्पक्ष रूप से फैसले दिए गए हैं। 7000 निचली अदालतों के मुकदमों का परीक्षण शोध कर्ताओं ने किया है। भारत की 7000 से अधिक निचली अदालतों के लगभग 50 लाख मुकदमों से संबंधित निर्णयों का परीक्षण किया है। जजों द्वारा दिए गए फैसले मैं जज का नाम, जाति, लिंग तथा वादी एवं प्रतिवादी का परीक्षण करते हुए जज द्वारा दिए गए निर्णय के आधार पर शोध किया हैं।

अयोध्या के राम मंदिर को लेकर फिर दायर हो सकती है क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल

नई दिल्ली

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की एक टिप्पणी ने अयोध्या विवाद एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। उन्होने एक इंटरव्यू में कहा था कि बाबरी मस्जिद का निर्माण ही मूल रूप से अपवित्र था। उनका कहना था कि जिस स्थान पर पहले से मस्जिद हो, वहां मस्जिद बनाना ही अपवित्र था। इसी को लेकर विवाद शुरू हो गया है और प्रोफेसर जी मोहन गोपाल ने तो राम मंदिर पर आए फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि चंद्रचूड़ के बयान के आधार पर ही क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल की जा सकती है।

वहीं दूसरी तरफ चंद्रचूड़ अपने बयान पर सफाई भी दे चुके हैं। उनका कहना है कि उनके शब्दों को संदर्भ से बाहर निकालकर गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है और सुप्रीम कोर्ट का अयोध्या फैसला साक्ष्य और कानूनी सिद्धांतों पर आधारित था, न कि आस्था पर। उन्होंने यह भी कहा कि आलोचक अक्सर पूरे फैसले को नहीं पढ़ते, जो 1,000 से अधिक पृष्ठों का है। कहा जाता है कि इस फैसले की ड्राफ्टिंग खुद चंद्रचूड़ ने ही की थी। चंद्रचूड़ के साक्षात्कार की क्लिप्स सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रही हैं।

प्रोफेसर जी. मोहन गोपाल ने कहा कि डीवाई चंद्रचूड़ के बयान में वह बात कही गई है, जो फैसले में ही नहीं है। ऐसे में इसके आधार पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की जा सकती है। 2019 में 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने राम मंदिर केस में फैसला सुनाया था। इस

बेंच में तत्कालीन चीफ जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस एसए बोबडे, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस अब्दुल नजीर शामिल थे। बेंच ने कहा था कि मुस्लिम पक्ष यह साबित करने में असफल रहा है कि बाबरी मस्जिद वाले स्थान पर उनका कोई निर्बाध मालिकाना हक रहा है। इसके साथ ही मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला दिया गया और अब राम मंदिर का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। राम मंदिर पर आए फैसले में यह भी स्पष्ट रूप से दर्ज किया गया कि बाबरी मस्जिद के निर्माण के लिए मंदिर को तोड़ने का कोई प्रमाण नहीं है। प्रोफेसर जी मोहन गोपाल ने चंद्रचूड़ की टिप्पणी के जवाब में कहा कि अब अयोध्या का फैसला दूषित हो गया है और फैसले तथा बाद की टिप्पणियों के बीच असंगति से निर्णय में विश्वास कमजोर हो सकता है।

महाराष्ट्र में सड़क पर आई लव मोहम्मद लिखने पर गुस्साई भीड़ ने किया पथराव

पुलिस ने किया लाठीचार्ज, कई प्रदर्शनकारी घायल, 29 को किया गिरफ्तार

मुंबई

यूपी के बरेली में शुरू हुआ आई लव मोहम्मद का विवाद अब महाराष्ट्र पहुंच गया है। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में सोमवार को सड़क पर 'आई लव मोहम्मद' लिखे होने के बाद मुस्लिम समुदाय भड़क गया और लोगों ने सड़कों पर उतर कर इसके खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। पुलिस का आरोप है कि इस प्रदर्शन में गुस्साए लोगों ने पथराव कर दिया, जिससे हालात बिगड़ गए और पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अहिल्यानगर जिले के कोटला गांव में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। पुलिस ने बवाल बढ़ता देख 29 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 150 से ज्यादा लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार को कोतवाली क्षेत्र के कोटला में विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, जब किसी ने सड़क पर आई लव मोहम्मद लिख दिया। इस पर मुस्लिम समुदाय ने आपत्ति जताई और कोतवाली थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने कहा कि सड़क पर आई लव मोहम्मद लिखने को लेकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

इसके बावजूद कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया लेकिन भीड़ में से कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस ने स्थिति संभालने लाठीचार्ज कर दिया। एसपी ने बताया कि विरोध प्रदर्शन, सड़क पर अवरोध और पथराव के सिलसिले में 29 लोगों को गिरफ्तार किया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बल का इस्तेमाल किया।

पुलिस आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि लोग अफवाहों पर विश्वास नहीं करें और न ही अफवाहें फैलाएं। यवतमाल की यात्रा कर रहे सीएम देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि अधिकारी इस बात का पता लगाएंगे कि क्या राज्य में शांति भंग करने और तरह-तरह के बोर्ड लगाकर समाज का ध्रुवीकरण करने की कोई साजिश तो नहीं है। उन्होंने कहा कि हर कोई अपने धर्म को मानने के लिए स्वतंत्र है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प पोर्टलैंड में सैनिक तैनात करेंगे, कहा- आतंकियों से निपटना मकसद

पोर्टलैंड , एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को कहा वह ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में सैनिक भेजेंगे और जरूरत पड़ने पर घरेलू आतंकवादियों से निपटने के लिए पूर्ण सैन्य बलों को भेजेंगे। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर लिखा - 'पोर्टलैंड एंटीफा और अन्य घरेलू आतंकवादियों के हमले की चपेट में हैं। इसीलिए पोर्टलैंड की रक्षा के लिए हम सैनिक भेज रहे हैं। यह कदम अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम इन्फोर्समेंट फैसिलिटी की सुविधाओं की सुरक्षा के लिए जरूरी है।' ओरेगन की डेमोक्रेटिक गवर्नर टीना कोटेक ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि ट्रम्प अपने अधिकार का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पोर्टलैंड बिल्कुल ठीक चल रहा है, इसीलिए शहर में किसी सैन्य हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। साथ ही जनता से शांति बनाए रखने की अपील की। स्थानीय लोगों ने भी ट्रम्प के इस फैसले पर सवाल उठाए। हालांकि, ट्रम्प पहले भी लॉस एंजिल्स आदि शहरों में सैनिकों को तैनात कर चुके हैं। जबकि शिकागो में भी नेशनल गार्ड भेजने की धमकी दी थी।

उत्तरी नाइजीरिया के खदान में हादसा, 18 लोगों की मौत

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने रविवार को विश्व आयुर्वेद दिवस मनाया। इस दौरान राजदूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने अमेरिका में आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता और इसके समग्र दृष्टिकोण के प्रति लोगों के बढ़ते आकर्षण पर प्रकाश डाला। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, विश्व आयुर्वेद दिवस मानते हुए हमने आयुर्वेद के समय-परीक्षित सिद्धांत के संतुलित पोषण, समग्र स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण के मार्गदर्शन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि न्यूट्रिशन 360 का शुभारंभ सचेतन और साक्ष्य-आधारित पोषण को बढ़ावा देने वाली एक प्रमुख पहल है।

बांग्लादेश में कड़ी सुरक्षा के बीच हिंदुओं ने विधि विधान से शुरू की दुर्गा पूजा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कड़ी सुरक्षा के बीच हिंदू समाज ने रविवार को मुख्य दुर्गा पूजा उत्सव की शुरुआत की। दुर्गोत्सव से पहले हिंदू मंदिर में हुई तोड़फोड़ की घटना के मद्देनजर एहतियातन पूरे देश में दो लाख से अधिक सुरक्षाकर्मियों तैनात किया गया है। राजधानी ढाका के ढाकेश्वरी राष्ट्रीय मंदिर में ढोल, जयकारे, शंख और मंदिर की घंटियों के बीच श्रद्धालु देवी दुर्गा का स्वागत करने के लिए उमड़ पड़े। मामूली बाधाओं के बीच महाषष्ठी के दिन देवी के चेहरे के अनावरण के साथ उत्सव का पहला दिन हर्षोल्लास के साथ शुरू हुआ। बताते चलें कि हालिया ही उपद्रवियों ने कुश्तिया जिले के मीरपुर उपजिले के स्वरूपदाह पालपाड़ा श्री श्री राखा काली मंदिर में तोड़फोड़ की थी। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा हिंदुओं का सबसे बड़ा धार्मिक त्योहार है।

अफगान जेल से एक अमेरिकी नागरिक रिहा

काबूल, एजेंसी। तालिबान ने रविवार को एक अमेरिकी नागरिक को अफगान जेल से रिहा कर दिया। कुछ हफ्ते पहले तालिबान ने कहा था कि संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास के तहत कैदियों की अदला-बदली पर अमेरिकी दूतों के साथ उनका समझौता हो गया है। तालिबान विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने उस व्यक्ति की पहचान आमिर अमीरी के रूप में की। उन्होंने यह नहीं बताया कि अमीरी को कब, क्यों या कहां हिरासत में लिया गया था।

ट्रंप मंगलवार को शीर्ष सैन्य अधिकारियों की बैठक को संबोधित करेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को वर्जीनिया स्थित क्वांटिको मरीन कॉर्प्स बेस में शीर्ष सैन्य नेताओं की बैठक को संबोधित करेंगे। सूत्र के अनुसार, बैठक में सैकड़ों जनरल और एडमिरल और उनके प्रमुख सलाहकार बुलाया गया है। रक्षा मंत्री पीट हेजसेथ ने इस बैठक के लिए बहुत कम समय में नोटिस जारी किया। पेंटागन के शीर्ष प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि हेजसेथ अगले सप्ताह अपने वरिष्ठ सैन्य नेताओं को संबोधित करेंगे।

छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के बाद बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा, तीन की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी पहाड़ी इलाके खगराछारी में रविवार को आदिवासियों और बंगाली समुदाय के बीच हिंसा भड़क गई, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। यह झड़पें एक आदिवासी स्कूली छात्रा से कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद शुरू हुईं। पुलिस ने तीन लोगों की मौत की पुष्टि की, लेकिन उनकी पहचान नहीं बताई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के घरों और दुकानों में आग लगा दी। हिंसा में 13 सेना के जवान और तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

नेपाल के बाद पेरू में जेन-जी प्रदर्शन:भ्रष्टाचार और पेंशन सुधार को लेकर सड़कों पर उतरे

लीमा, एजेंसी। नेपाल के बाद अब दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के जेन -जी भ्रष्टाचार को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। 27 सितंबर को राजधानी लीमा में हजारों युवाओं ने राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ते के खिलाफ नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया।

इस प्रदर्शन में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़ और लाठीचार्ज किया, जिसके जवाब में युवाओं ने पथराव किया। दरअसल, ये विरोध 20 सितंबर को पेंशन प्रणाली में किए गए बदलावों के बाद शुरू हुए। नए नियम के अनुसार, पेरू में 18 साल से अधिक उम्र के हर व्यक्ति को किसी न किसी पेंशन कंपनी से जुड़ना होगा। इसके अलावा राष्ट्रपति बोलुआर्ते और संसद के खिलाफ लंबे समय से जनता में असंतोष बना हुआ है।

जेन -जी ने इस प्रदर्शन के लिए फेमस जापानी एनिमे वन पीस के केरेक्टर लूफी को अपना रोल मॉडल बनाया है। ये केरेक्टर न्याय के लिए लड़ता है।

पेंशन योजना में बदलाव : यहां, भ्रष्टाचार, आर्थिक असुरक्षा, बढ़ता अपराध और जवाबदेही की कमी ने युवाओं को नाराज किया है। 2022 में पूर्व राष्ट्रपति पेद्रो कास्तिलो को हटाए जाने और गिरफ्तार किए जाने के बाद, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में दर्जनों प्रदर्शनकारियों की मौत हुई थी। इस पर भी सरकार से सवाल किया जा रहा है। पेरू सरकार ने हाल ही में पेंशन सिस्टम में बदलाव किया है। पहले लोग चाहें तो पेंशन योजना से जुड़ सकते थे, लेकिन यह अनिवार्य नहीं था।

अब सरकार ने नियम बना दिया है कि पेरू में जो भी नागरिक 18 साल की उम्र पूरी कर लेगा, उसे किसी न किसी पेंशन प्रदाता कंपनी/संस्था से जुड़ना होगा। यानी कोई भी वयस्क इस सिस्टम से बाहर नहीं रह सकता। पेंशन प्रदाता वे निजी या सरकारी संस्थान होते हैं जो लोगों से हर महीने एक तय रकम जमा कराते हैं। रिटायरमेंट या बुढ़ापे में वही पैसा पेंशन के रूप में वापस मिलता है। पेरू की राष्ट्रीय सांख्यिकी एजेंसी के अनुसार, देश की 27 आबादी 18 से 29 साल की उम्र के बीच है। ये युवा इस आंदोलन की रीढ़ हैं।

लोग नाराज क्यों हैं ?

कई लोगों को लगता है कि यह जबरन वसूली जैसी है।

युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही, ऐसे में वे पेंशन के लिए पैसे कहां से जमा करेंगे?

पेंशन प्रदाता संस्थाओं में पहले से ही भ्रष्टाचार और पारदर्शिता की कमी की शिकायतें हैं।

लोग चाहते हैं कि यह उनकी इच्छा पर निर्भर हो, मजबूरी न बने।

लोगों का कहना है कि सरकार को रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, न कि जबरन पेंशन योजना थोपनी चाहिए।

अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाए बिना भारत और ब्राजील को अपने बाजार खोलने की जरूरत -लुटनिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि अमेरिका को ब्राजील और भारत जैसे देशों को सही दिशा में लाना पड़ेगा। उनका कहना है कि इन देशों को अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाने वाले कदमों से बचते हुए अपने बाजार खोलने की जरूरत है। लुटनिक ने एक साक्षात्कार में कहा, हमे स्विट्जरलैंड, ब्राजील, भारत जैसे कई देशों को फिक्स (सही दिशा में) करना है। ये देश अमेरिका के प्रति सही रुख अपनाएं, अपने बाजार खोलें और ऐसे कदम उठाना बंद करें जो अमेरिका को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए हम इनके साथ विवाद में हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर आप अमेरिकी उपभोक्ताओं अपने सामान बेचना चाहते हैं, तो आपको राष्ट्रपति के साथ सहयोग करना होगा। लुटनिक ने भारत और ब्राजील के अलावा ताइवान और स्विट्जरलैंड जैसे देशों का भी जिक्र किया।

मिशिगन के चर्च में गोलीबारी, चार की मौत, आठ लोग घायल; हमलावर ढेर, पुलिस ने जारी किया अलर्ट

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में ग्रैंड ब्लैंक्स इलाके में चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स (मॉरमोन चर्च) में खौफनाक हमला हुआ। यहां एक हमलावर ने चर्च में टक्कर मारकर ट्रक अंदर घुसा दिया फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। हालांकि जवाबी कार्रवाई में हमलावर भी पुलिस की गोली का शिकार हो गया। रविवार सुबह करीब 10:25 बजे हुए इस हमले से चर्च परिसर में अफरातफरी मच गई। लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। पुलिस प्रमुख विलियम रेने ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और आठ मिनट में हमलावर को मार गिराया। चर्च में गोलीबारी को अंजाम देने वाले हमलावर की पहचान 40 वर्षीय थॉमस जैकब सैंफोर्ड के रूप में हुई है, जो पास के शहर बर्टन का रहने वाला था। उसके पास हथियारों के साथ गैस और संदिग्ध विस्फोटक भी मिले। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसने विस्फोटक का इस्तेमाल किया या नहीं। एफबीआई ने जांच अपने हाथ में ले ली है। इतना ही नहीं इस हमले के बाद आसपास के कुछ अन्य चर्चों में भी बम धमकी मिली, हालांकि जांच करने के बाद वहां कुछ नहीं मिला। फिलहाल इलाके में तनाव है। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्हें मिशिगन गोलीबारी की जानकारी दी गई है। यह हिंसा तुरंत रुकनी चाहिए। मैंने एफबीआई की तेज कार्रवाई पर उन्हें बधाई दी है। वहीं, मिशिगन के गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर ने कहा कि चर्च में हिंसा अस्वीकार्य है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो यह घटना उस वक्त हुई जब चर्च में कार्यक्रम चल रहा था, जिससे वहां भारी भीड़ थी। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोलीबारी की वजह क्या थी और हमलावर ने ऐसा क्यों किया। पुलिस और जांच एजेंसियां इस मामले की गहराई से जांच कर रही हैं।

चीन के पूर्व कृषि मंत्री को मौत की सजा, 317 करोड़ रुपए की रिश्वत ली थी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के पूर्व कृषि तांग रेजजियान को रविवार को भ्रष्टाचार मामले में मौत की सजा सुनाई गई। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, तांग को 2007 से 2024 तक अलग-अलग पदों पर रहते हुए 317.3 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी और संपत्ति रिश्वत के रूप में ली। हालांकि,उन्हें दो साल की मोहलत दी गई है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि तांग को उनके राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया है। अदालत ने कहा कि तांग की सारी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी और रिश्वत से जमा किए धन को वसूल कर राष्ट्रीय खजाने में जमा कर दिया जायेगा। कोर्ट ने कहा कि इस रिश्वत से देश और जनता के हितों को भारी नुकसान हुआ, इसलिए तांग को मौत की सजा दी गई। तांग ने अपने अपराध कबूल किए और पछतावा जताया। यह सजा राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम का हिस्सा है, जिसमें कई बड़े नेता सजा पा चुके हैं। समर्थकों का कहना है कि यह मुहिम स्वच्छ शासन को बढ़ावा देती है, जबकि आलोचक इसे शी के राजनीतिक विरोधियों को हटाने का हथियार मानते हैं। तांग इससे पहले गांसु प्रांत के गवर्नर और गुआंगशी स्वायत्त क्षेत्र के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। उनके बाद पूर्व रक्षा मंत्रियों ली शांगफू और वेई फेंघे भी भ्रष्टाचार के जांच के दायरे में आ गए हैं।

अमेरिका में शटडाउन का बढ़ा खतरा, रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच टकराव; व्हाइट हाउस में होगी अहम बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकार के शटडाउन का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसे रोकने के लिए डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। हालांकि, दोनों पक्ष अपने रवैये पर अड़े हुए हैं और अब तक किसी भी समझौते के संकेत नहीं दिख रहे हैं। अगर मंगलवार रात तक अस्थायी फंडिंग बिल पारित नहीं हुआ, तो देशभर में कई सरकारी दफ्तर अस्थायी रूप से बंद हो जाएंगे। यानी जो कर्मचारी आवश्यक सेवा में नहीं आते, उन्हें बिना वेतन पर छुट्टी पर भेज दिया जाएगा, जिससे आम लोगों और अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ेगा। इसे शटडाउन कहा जाता है। रिपब्लिकन पार्टी चाहती है कि सरकार की फंडिंग फिलहाल जैसी है, वैसी ही जारी रहे। लेकिन डेमोक्रेट्स स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कुछ अहम मांगे सरकार से मनवाना चाहते हैं। सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शूमर ने कहा, यह बैठक केवल एक शुरुआत है, लेकिन हमें गभीरता से बातचीत करने की जरूरत है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को बैठक के लिए सहमति दी है। इस बैठक में चक शूमर, सीनेट के नेता जॉन थ्यून, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन और डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज भी शामिल होंगे। हालांकि, ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि उन्हें उम्मीद है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो इस हफ्ते शटडाउन तय है। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था, शटडाउन करना पड़े तो करेंगे। लेकिन शटडाउन कराने वाले वे (डेमोक्रेट्स) लोग हैं। ट्रंप प्रशासन डेमोक्रेट्स पर दबाव बना रहा है कि वे अपनी मांगे छोड़ें, क्योंकि अगर फंडिंग रुकती है तो कई सरकारी कर्मचारियों की स्थायी रूप से नौकरी जा सकती हैं। रिपब्लिकन नेता थ्यून ने रविवार को कहा, चक शूमर ने कुछ महीने पहले ही कहा था कि अगर सरकार का शटडाउन होता है तो इससे बहुत समस्या होगी। सबकुछ अराजक हो जाएगा, नुकसान होगा और लोग परेशान होंगे। शूमर की बात सही थी। इसलिए हमें सरकार शटडाउन से बचाना चाहिए। हालांकि, डेमोक्रेट्स का मानना है कि बैठक के लिए ट्रंप की सहमति दिखाती है कि उन पर बातचीत का दबाव है। उनका कहना है कि चूंकि व्हाइट हाउस और कांग्रेस दोनों रिपब्लिकन पार्टी के हाथ में हैं, इसलिए अगर सरकार का शटडाउन हुआ तो लोग ट्रंप और उनकी पार्टी को जिम्मेदार ठहराएंगे। लेकिन अपनी शर्तें मनवाने के लिए डेमोक्रेट्स को मंगलवार को उस अस्थायी फंडिंग बिल के खिलाफ वोट देना होगा, जिससे सरकार सात और हफ्तों तक चल सकती है। यह डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए असहज स्थिति है, क्योंकि वह हमेशा शटडाउन का विरोध करती रही है। यह बिल पहले ही रिपब्लिकन के नियंत्रण वाले हाउस में से पारित हो चुका है और इसे सीनेट में पारित करने के लिए कम से कम साठ वोट चाहिए। इसका मतलब हैकि कम से कम आठ डेमोक्रेटिक पार्टी के सासंदों को बिल का समर्थन करना होगा।

न्यूयॉर्क मेयर पद की रेस से हटे मौजूदा मेयर एरिक एडम्स, जोहरान ममदानी के चुनावी अभियान पर पड़ेगा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद का चुनाव दिलचस्प हो गया है। दरअसल न्यूयॉर्क के मौजूदा मेयर एरिक एडम्स चुनावी रेस से हट गए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर एरिक एडम्स ने अपना नाम वापस लेने का एलान किया। एरिक एडम्स ने जनवरी 2022 से न्यूयॉर्क मेयर पद की जिम्मेदारी संभाली थी। वीडियो में एरिक एडम्स ने न्यूयॉर्क वासियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपका मेयर होना मेरे लिए गर्व की बात रही।

एरिक एडम्स की लोकप्रियता में आ रही थी लगातार गिरावट : एरिक एडम्स के मेयर पद की रेस से हटने की चर्चाएं कई महीनों से चल रहीं थी। इसकी वजह एरिक एडम्स की लगातार गिरती लोकप्रियता थी। विभिन्न पोल्स में दिखाया गया कि एरिक एडम्स अन्य उम्मीदवारों से पिछड़े हुए थे और साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते भी उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। एरिक एडम्स को ट्रंप प्रशासन से नजदीकियों के चलते भी डेमोक्रेट समर्थकों की आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा था।

बीते दिनों ऐसी खबरें भी आईं थी कि ट्रंप सरकार एरिक एडम्स को सऊदी अरब में अमेरिका का राजदूत नियुक्त कर सकती है। हालांकि उस वक्त एरिक एडम्स ने उन चर्चाओं को यह कहकर खारिज कर दिया था कि वह न्यूयॉर्क के मेयर के तौर पर काम करने के लिए समर्पित हैं। साल 2025 की शुरुआत में ट्रंप प्रशासन के न्याय विभाग ने एरिक एडम्स के खिलाफ भ्रष्टाचार के संघीय आरोपों को भी खत्म कर दिया था। एरिक एडम्स पर आरोप लगे थे कि उन्होंने विदेशी दानदाताओं से गलत तरीके से उपहार स्वीकार किए। एरिक एडम्स को तुर्किये की सरकार की तरफ से भी उपहार मिले थे। जोहरान ममदानी के चुनाव अभियान पर होगा असर एरिक एडम्स के मेयर पद की रेस से हटने के बाद भारतीय मूल के जोहरान ममदानी की मुश्किलें थोड़ी बढ़ सकती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते दिनों अपने एक बयान में सुझाव दिया था कि अगर जोहरान ममदानी और पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो के बीच सीधी टक्कर होती है तो उसमें कुओमो के जीतने की संभावना ज्यादा है। ट्रंप ने कहा था कि कई उम्मीदवारों के होने से ममदानी को फायदा मिलेगा। अब जबकि एरिक एडम्स रेस से हट गए हैं तो माना जा रहा है कि इससे ममदानी की मुश्किल बढ़ सकती है।

यूक्रेन में रूस की भीषण बमबारी, 4 की मौत

कीव, एजेंसी। रूस ने शनिवार रात यूकेन पर 595 ड्रोन व 48 मिसाइलें दागीं। इस भीषण हमले में चार लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। सबसे ज्यादा नुकसान राजधानी कीव में हुआ। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इन हमलों पर आक्रोश जताते हुए कहा कि रूस युद्ध जारी रखना चाहता है। जेलेंस्की बोले, पूरी दुनिया को रूस पर सख्त दबाव बनाना चाहिए। इन हमलों के कारण पोलैंड को उसकी राजधानी वारसॉ के दक्षिण में वायुक्षेत्र को बंद करना पड़ा। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख ताइमुर तकाचेंको ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिये हताहतों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि शहर भर के नागरिक इलाकों को निशाना बनाकर हमले किए गए। शहर के केंद्र के पास हुए विस्फोट से घना काला धुआं उठते देखा जा सकता था। 28 सितंबर की रात को रूस ने यूक्रेन पर 643 ड्रोन और मिसाइलें दागीं, जिनमें ग्लाइड बम भी शामिल थे. कीव में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ. यहां 4 लोग मारे गए और कई घायल हो गए. स्वतंत्र निगरानीकर्ताओं ने इसे रूस का सबसे बड़ा हमला बताया. कीव के अलावा अन्य शहरों पर भी हमले हुए. यूक्रेन की सेना ने कई ड्रोन और मिसाइलें रोकीं, लेकिन नुकसान बड़ा हुआ. यह हमला यूक्रेन के हालिया हमलों का जवाब माना जा रहा है. यूक्रेन ने रूस के तेल और गैस प्लांट्स पर ड्रोन से हमला किया था. पुतिन ने कहा कि यह यूक्रेन की आक्रामकता का परिणाम है. इजरायल ने अप्रैल 2024 में ईरान के दूतावास पर हमला किया था. फिर अक्टूबर में ईरान के सैन्य ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए. ये हमले अचानक, टारगेटेड और कम नुकसान वाले थे. पुतिन की रणनीति भी वैसी ही लग रही है - ड्रोन और मिसाइलों से दूर से हमला, बिना जमीनी घुसपैठ के. दोनों ही मामलों में मकसद दुश्मन को कमजोर करना और चेतावनी देना था. लेकिन फर्क यह है कि इजरायल-ईरान तनाव सीमित रहा, जबकि यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच गया है. विशेषज्ञ कहते हैं कि रूस का यह हमला यूक्रेन के नेतृत्व को तोड़ने की कोशिश है. ईरान-इजरायल संघर्ष ने दुनिया का ध्यान यूक्रेन से हटा दिया था, जिसका फायदा रूस को मिला. फरवरी 2022 से रूस ने यूक्रेन पर हमला किया. पुतिन इसे सोवियत संघ की गलती सुधारने का मौका मानते हैं. लेकिन यूक्रेन ने हार नहीं मानी. हाल ही में यूक्रेन ने डोनेस्क के कुछ हिस्से वापस ले लिए. रूस ने दिन में भी ड्रोन हमले शुरू किए।

राजनीतिक संघर्ष के लिए तैयार हूं, पूर्व क्रम्केपी शर्मा पीएम ओली ने देश छोड़ने की अटकलों को किया खारिज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएलके प्रमुख केपी शर्मा ओली ने उन अटकलों को खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह देश छोड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने मौजूदा अंतरिम सरकार पर आरोप लगाया कि वह उनकी सुरक्षा और सरकारी सुविधाओं को छीनने की कोशिश कर रही है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

ओली ने भक्त के गुंडु में पार्टी के संगठन युवा संघ नेपाल को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह देश छोड़ने वाले नहीं हैं और राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने समर्थकों से पूछा, क्या आपको लगता है कि हम यह देश इस आधारहीन सरकार को सौंपकर भाग जाएंगे? ओली ने कहा कि उनका लक्ष्य देश में शांति, सुशासन और सांविधानिक व्यवस्था की बहाली करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, ओली ने हाल ही में नौ सितंबर को प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास बलुवातार खाली किया था। यह कदम तब उठाया गया, जब जेन जेड के विरोध प्रदर्शनों के कारण उनकी सरकार गिर गई। इसके बाद वह भक्तपुर के गुंडु में एक किराए के मकान पर रहने चले गए। प्रदर्शनकारियों ने उनका निजी आवास जला दिया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार जनता की इच्छा से नहीं, बल्कि तोड़फोड़ और आगजनी के जरिए सत्ता में आई है। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि अगर विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी ओर से सरकारी अधिकारियों को कोई निर्देश दिए गए हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। ओली ने कहा, उन्हें हिम्मत से प्रकाशित करो। मेरे निर्देश सार्वजनिक करो। मेरे पास छिपाने जैसा कुछ नहीं है। ओली ने यह भी कहा कि उन्हें फिर से हमले होने का डर है। उन्होंने सरकार की आलोचना की कि वह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रही है। उन्होंने पूछा, सोशल मीडिया पर खुलेआम मेरे घर पर हमले की बातें हो रही हैं। सरकार क्या कर रही है? केवल देख रही है? उन्होंने उन रिपोर्ट पर भी आपत्ति जताई, जिनमें कहा जा रहा है कि सकार उनके साथ ही नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा, आरजू राणा देउबा, रमेश लेखक और दीपक खडका के पासपोर्ट जब्त करने का फैसला किया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाकर देश को असुरक्षा की स्थिति में धकेल रही है। जेन-जेड के विरोध के दूसरे दिन ही ओली की सरकार गिर गई थी। मानवाधिकार संगठनों ने ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेख को विरोध के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग करने का जिम्मेदार ठहराया है, जिससे दर्जों लोगों की मौत हुई थी।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार प्रदर्शन की तीव्रता का अनुमान नहीं लगा सकी और सुरक्षा बलों का मनोबल गिरा हुआ है। जिसके कारण भारी जनहानि और संपत्ति की क्षति हुई। रिपोर्ट मे यह भी बताया गया कि आठ सितंबर को विरोध शांतिपूर्ण रहा। लेकिन अगले दिन पुलिस की ओर से गोली चलने के बाद हिंसा भड़क उठी।

जेन-जी विरोध प्रदर्शन के दौरान भागे 7700+ कैदी नेपाल की जेलों में वापस : काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 8 और 9 सितंबर को हुए जेन-जी विरोध प्रदर्शन के दौरान देशभर के हिरासत केंद्रों से कुल 14,558 कैदी भाग गए थे। जेल प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 7,735 कैदी अपनी-अपनी जेलों में लौट आए हैं। जबकि, सुरक्षा बलों के साथ झड़प में 10 कैदियों की मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि कुछ कैदी स्वेच्छा से लौटे हैं, जबकि अन्य को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया है। हालांकि, 6,813 कैदी अभी भी विभिन्न जेलों से फरार हैं। सरकार ने इन कैदियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू कर दिया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आदित्य गढ़वी,जिगरदान गढ़वी और पूर्वा मंत्री के गरबा में रेड

पास, पानी और पार्किंग के पैसों की खुली लूट की शिकायत पर अहमदाबाद-सूरत में GST की 10 टीमों का छापा

10 से ज्यादा अफसरों की टीम ने की कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के दो प्रमुख शहरों सूरत और अहमदाबाद में चल रही "सुवर्ण नवरात्रि" के आयोजकों पर गुड्स एंड सर्विस टैक्स (GST) विभाग ने बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। खासतौर पर गरबा पास, पानी और पार्किंग के नाम पर खिलाड़ियों से ज्यादा पैसे वसूलने की पब्लिक शिकायतों के बाद विभाग ने यह कार्रवाई की। इससे गरबा आयोजन जगत में हड़कंप मच गया है।

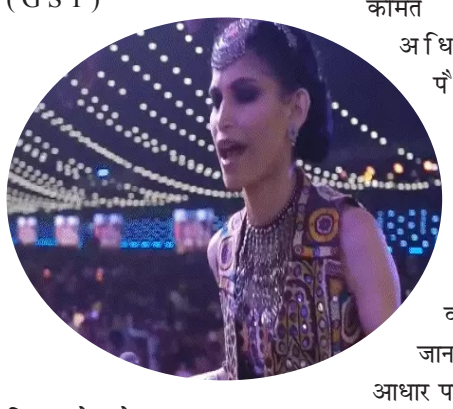

करोड़ों का टर्नओवर और टैक्स चोरी की आशंका

नवरात्रि के गरबा आयोजनों में करोड़ों रुपए का टर्नओवर होता है। खासकर सुवर्ण नवरात्रि जैसे बड़े आयोजनों में एंट्री पास और सीजन पास से भारी आमदनी होती है, जो त्रस्ज्ञ के दायरे में आती है। विभाग को शक है कि बड़े आयोजकों ने इस आमदनी पर सही टैक्स नहीं चुकाया और टैक्स चोरी की गई है।

आर्थिक लेन-देन पर सरकार की नजर

इस कार्रवाई से अन्य छोटे-बड़े गरबा आयोजकों में भी दहशत फैल गई है। त्रस्ज्ञ विभाग की यह रेड साफ संकेत देती है कि त्योहारों के समय होने वाले बड़े आर्थिक लेन-देन पर सरकार की पैनी नजर है। जांच पूरी होने के बाद करोड़ों की टैक्स चोरी का खुलासा हो सकता है।

आयोजकों द्वारा तय कीमत से अधिक पैसे वसूलने की जानकारी के आधार पर यह जांच की गई। इस दौरान देखा गया कि आयोजक त्रस्ज्ञ में रजिस्टर्ड हैं या नहीं और वसूले गए अतिरिक्त पैसों का सही हिसाब दिया जा रहा है या नहीं।

मिली जानकारी के अनुसार, त्रस्ज्ञ विभाग की 10 से ज्यादा अधिकारियों की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। छापा मुख्य रूप से उन्हीं बड़े आयोजनों पर डाला गया जहां गुजरात के लोकप्रिय कलाकारों के कार्यक्रम हो रहे थे।

सूत्रों के मुताबिक, सूरत और अहमदाबाद में आदित्य गढ़वी (रंग मोरलो), जिगरदान गढ़वी (स्वर्णिम नगरी गरबा), उमेश बारोट (सुवर्ण नवरात्रि-सूरत) और पूर्वा मंत्री (सुवर्ण नवरात्रि-अहमदाबाद) जैसे बड़े कलाकारों के गरबा आयोजनों पर छापा मारा गया। इस दौरान आयोजकों के पास-टिकट बिक्री और अन्य वित्तीय लेन-देन की गहराई से जांच की जा रही है।

सूरत शहर भेस्तान में संदिग्ध हालत युवक का शव मिला

भेस्तान में ओडिशा के युवक की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान इलाके स्थित सिद्धार्थ नगर में एक युवक का संदिग्ध हालत में शव मिला है। मृतक का नाम तुफान राउत (आयु लगभग 45 वर्ष) है, जो मूल रूप से ओडिशा राज्य का रहने वाला था। मौत की खबर मिलते ही भेस्तान पुलिस और उच्च पुलिस अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मौत के कारण की जांच शुरू की है।

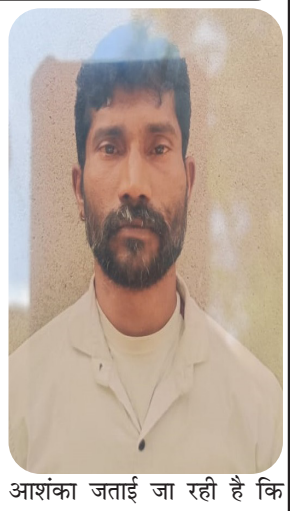

आशंका जताई जा रही है कि गिरने से मौत हुई होगी, लेकिन पुख्ता कारण पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

वृद्ध डॉक्टर ने होर्डिंग्स लगाकर पुलिस-गृहमंत्री का आभार जताया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के इतिहास में एक अनोखी घटना सामने आई है, जहां एक शिकायतकर्ता ने पुलिस और अधिकारियों का आभार जताने के लिए शहर के अलग-अलग इलाकों में कुख्यात च्सद्दाम गोडील गैंगज् के खिलाफ बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगवाए हैं। तीन साल से अवैध कब्जे में पड़ी अपनी 3.5 करोड़ की कोठी वापस मिलने पर वृद्ध डॉक्टर ने राज्य के गृहमंत्री और पुलिस अधिकारियों का सार्वजनिक रूप से धन्यवाद किया।

आम तौर पर कोई भी व्यक्ति गैंगस्टर या दबंग तत्वों के खिलाफ शिकायत करने पर डर के मारे चुप्पी साध लेता है। लेकिन सूरत के डॉ. जाकिर मेमन नामक वृद्ध शिकायतकर्ता ने साहस दिखाया। अपनी कोठी वापस मिलने के बाद उन्होंने सूरत के चार अलग-अलग स्थानों पर बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगवाए। इन होर्डिंग्स में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत, SOG DCP राजदीप सिंह नकुम और SOG PI अतुल सोनारा की टीम का आभार व्यक्त किया गया है।

होर्डिंग्स पर मुख्य संदेश के रूप में लिखा गया "इन कुख्यात अपराधियों सद्दाम गोडील गैंग को कानूनी सबक सिखाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।" शिकायतकर्ता द्वारा किसी गैंग के खिलाफ इस तरह सार्वजनिक रूप से आभार जताना गुजरात में पहली बार हुआ है।

पूरा मामला तीन साल पुराना है। वृद्ध डॉ. जाकिर मेमन की 3.5 करोड़ कीमत की कोठी पर सूरत की कुख्यात सद्दाम गोडील गैंग ने जबरन और गैरकानूनी तरीके से कब्जा कर लिया था। डॉक्टर मेमन तीन साल तक लगातार कानूनी और प्रशासनिक प्रयास करते रहे, लेकिन गैंग की दबंगई के आगे सफल नहीं हो पाए थे।

डॉ. मेमन को न्याय दिलाने के लिए सूरत पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने निर्णायक कार्रवाई की। SOG के DCP राजदीप सिंह नकुम और PI अतुल सोनारा की टीम ने सद्दाम गोडील और उसकी गैंग के खिलाफ गुजरात कंट्रोल ऑफ टेररिज़्म एंड ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (GCTOC) के तहत शिकायत दर्ज की। इस सख्त कानून के तहत गिरफ्तारी होते ही गैंग के सदस्यों में डर फैल गया। इस कानून में लंबे समय तक जमानत नहीं मिलती और संपत्ति भी जब्त की जा सकती है।

कानून के शिकंजे से घबराकर अंतत: आरोपियों ने खुद सामने आकर DCP राजदीप सिंह नकुम को कोठी की चाबी सौंप दी। तीन साल की लंबी लड़ाई के बाद एक वृद्ध डॉक्टर को अपना घर वापस मिल सका।

कुख्यात गैंग के खिलाफ न्याय मिलने पर लिखा - "इन कुख्यात अपराधियों सद्दाम गोडील गैंग को कानूनी सबक सिखाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद"

50 करोड़ के हीरा घोटाले में CID क्राइम की भूमिका विवादों में

एयरपोर्ट पर पकड़े जयम सोनाणी को बयान लेकर छोड़ा शिकायतकर्ता ने PMO तक की शिकायत

अशोक मेहता ने दी धमकी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

हीरा उद्योग जगत में हलचल मचाने वाले लगभग 50 करोड़ के महाठगी मामले में CID क्राइम की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठे हैं। CID क्राइम ने ठगी के मुख्य आरोपियों में से एक जयम सोनाणी को सूरत एयरपोर्ट से पकड़ने के पांच दिन बाद खुलासा किया है कि केवल उनका प्राथमिक बयान लेकर उन्हें छोड़ दिया गया था। इस विवाद के बाद CID क्राइम ने पहली बार आधिकारिक बयान दिया है। दूसरी ओर शिकायतकर्ता ने पुलिस कमिश्नर से लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) तक शिकायत कर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

आरोपी जयम सोनाणी को एयरपोर्ट से सरकारी वाहन में ले जाकर कुछ ही घंटों में छोड़ने का वीडियो वायरल होने के बाद CID की भूमिका पर सवाल खड़े हुए। SP रोहन आनंद ने बताया कि CID को सूचना थी कि आरोपी देश छोडकर भाग सकता है, इसलिए वे एयरपोर्ट पहुंचे थे। वहां पहुंचने के बाद CID को पता चला कि आरोपी जयम सोनाणी घरेलू उड़ान लेने वाला था। देश छोड़ने की आशंका खत्म होने पर उनका और परिवार का प्राथमिक बयान लेकर उन्हें छोड़ दिया गया।

पर ही आगे की कानूनी कार्रवाई होगी और जांच 'राइट ट्रैक पर' है। शिकायतकर्ता के इस आरोप पर कि "प्रभावशाली लोगों के फोन आने के बाद आरोपी को फॉर्च्यूनर कार में जाने की गिरफ्तारी की कार्रवाई CID ऑफिस (बहुमाली बिल्डिंग) में हो रही थी, उस समय आरोपियों की ओर से सूरत की प्रतिष्ठित क्लब से जुड़े डायमंड व्यापारी और सोनाणी पिता-पुत्र के साझेदार अशोक केसुभाई मेहता भी वहां आ गए। अशोक मेहता ने पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में ही अंकुश नाकराणी और उनके साथी संदीप जसाणी को देखकर गाली-गलौच की और केस वापस लेने की धमकी दी। अशोक मेहता ने धमकी दी कि अगर शिकायत वापस नहीं ली गई तो "गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे, तुम्हारे कपड़े उतार दूँगा," और "झूठे केस में फंसा कर पूरी जिंदगी जेल में सड़ना पड़ेगा।" धमकी देते समय उसने पुलिस और राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ होने का भी दावा किया और कहा कि यदि उनके खिलाफ शिकायत या आवेदन किया गया तो शिकायतकर्ता और उनके परिवार को जान से मार दिया जाएगा।

शिकायतकर्ता ने पुलिस कमिश्नर और PMO तक दी शिकायत

घटना से डरे हुए शिकायतकर्ता और हीरा व्यापारी अंकुशभाई नाकराणी ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आवेदन कर और PMO में शिकायत कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने केस वापस लेने का दबाव बनाए जाने का भी आरोप लगाया है।

शिकायतकर्ता ने CCTV जांच की मांग की

अंकुश नाकराणी ने बहुमाली स्थित CID क्राइम ऑफिस और सूरत एयरपोर्ट के CCTV फुटेज की जांच की मांग की है, ताकि एयरपोर्ट से CID ऑफिस तक और वहां से आरोपी को छोड़ने

केस वापस लेने का दबाव और धमकी का आरोप

अंकुश नाकराणी ने गंभीर आरोप लगाया कि उन्हें केस वापस लेने के लिए दबाव डाला जा रहा है। CID ऑफिस में ही पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में उन्हें धमकी दी गई। अपनी लिखित शिकायत में अंकुश नाकराणी ने बताया कि आरोपी को छोड़ने की घटना के दौरान ही उन्हें डराया गया, जिससे उनका परिवार भयभीत है।

नए अपराध की शिकायत दर्ज कराने की मांग

अंकुश नाकराणी और उनका परिवार अशोक मेहता की धमकियों से डरे हुए हैं। उन्होंने पुलिस कमिश्नर कार्यालय में अशोक मेहता, सोनाणी पिता-पुत्र और जांच अधिकारी से बात करने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ BNS एक्ट-2023 की धारा 352, 351(2), 61(2) और 54 के तहत केस दर्ज करने की मांग की है।

गया।

SP रोहन आनंद ने कहा कि मामले में प्रारंभिक जांच चल रही है, जो दस्तावेज़ और मेमोरेंडम की जांच पर आधारित है। सबूतों के आधार दिया गया," SP ने कहा कि शिकायत करना शिकायतकर्ता का अधिकार है, लेकिन वे सबूत इकट्ठा कर रहे हैं।

अंकुश नाकराणी की शिकायत के अनुसार, जब जयम सोनाणी को अवैध रूप से छोड़ दिया गया।

शिकायतकर्ता ने पीछा करते हुए देखा कि अशोक मेहता ने अठवालाइन्स नई कोर्ट बिल्डिंग के पास गाड़ी रोकी और जयम

5,000 रुपये के मोबाइल के लिए दोस्त ने दोस्त की हत्या की

पत्थर से सिर कुचलकर अपने ही गमछे से हाथ-पैर बांध बिहार भागा हत्यारा

हत्या से पहले दोनों दोस्त CCTV में कैद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के हजीरा इलाके में हुई हत्या का पुलिस ने चंद दिनों में पर्दाफाश कर दिया है, लेकिन जो कारण सामने आया वह बेहद दर्दनाक है। केवल 5,000 रुपये के एक मोबाइल फोन के लिए दोस्त ने ही अपने दोस्त की हत्या कर दी। हत्यारे ने सिर्फ हत्या ही नहीं की, बल्कि सबूत मिटाने के लिए क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं। हत्या से पहले दोनों दोस्त सामान्य रूप से साथ जाते हुए CCTV कैमरे में कैद भी हुए थे। इन्हीं फुटेज के कारण पुलिस हत्यारे तक पहुंच सकी।

पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक रणजीत शंकर पासवान (आयु 21) और आरोपी रोहित केवट के बीच दोस्ती थी। दोनों के बीच केवल 5,000 रुपये के मोबाइल फोन को लेकर विवाद हुआ था। रणजीत ने गुस्से में आकर रोहित का मोबाइल फोन तोड़ दिया था। बाद में रणजीत ने नया मोबाइल देने की बात कही थी, लेकिन जब इस पर भी विवाद हुआ तो उसने फोन या पैसे देने से इनकार कर दिया। इससे भड़ककर रोहित ने रणजीत की हत्या कर दी।

मृतक रणजीत हजीरा गांव के सुंदर नगर में ताराबेन पटेल के मकान में रहता था और झारखंड का रहने वाला था। रणजीत यहां पत्नी और बच्चों के साथ रहता था और एक कंपनी में मजदूरी कर परिवार का गुजारा करता था। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी रोहित ने दोस्ती को किनारे रखकर गुस्से में पत्थर से रणजीत

की निर्मम हत्या कर दी।

हत्या के बाद पहचान छुपाने और सबूत न मिले इसके लिए आरोपी ने अपने गले में बंधे गमछे से मृतक रणजीत के हाथ-पैर बांध दिए और वहां से फरार हो गया। घटना का खुलासा 14 सितंबर को हुआ, जब हजीरा गांव में जोगणी माता मंदिर के सामने स्थित कमलभाई पटेल के खेत की झाड़ियों से रणजीत का शव बरामद हुआ।

हजीरा पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए 'टेक्निकल ट्रैकिंग' और 'ह्यूमन सोर्स' की मदद ली। आसपास के फुटेज खंगाले गए तो एक व्यक्ति गले में गमछा डाले रणजीत के साथ खेत की ओर जाता दिखा। उसकी पहचान रोहित केवट के रूप में हुई, जो मूल रूप से बिहार के लखीसराय का निवासी है। उसके भाग जाने पर पुलिस ने हजीरा की कंपनियों, सूरत कंट्रोल रूम, रेलवे स्टेशन और आसपास के दुकानों के करीब 55 CCTV फुटेज की जांच की। इसमें सामने आया कि रोहित रेलवे के जरिए सूरत छोड़कर भाग गया था। उसने मोबाइल अपने पास नहीं रखा था, लेकिन पुलिस ने चालाकी से परिवार से पूछताछ की। रोहित के भाई ने बताया कि रोहित का फोन पश्चिम बंगाल में रहने वाले छोटे भाई के पास आया था, जहां उसने पैसों की मांग की थी।

इस कॉल के लोकेशन के आधार पर पुलिस ने ऑपरेशन चलाया और आखिरकार आरोपी रोहित कुमार केवट को उसके गांव बिहार के लखीसराय से गिरफ्तार कर लिया।

श्री श्याम मंदिर में 108 कन्याओं का हुआ पूजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा नवरात्री की अष्ठमी के उपलक्ष में 108 कन्याओं का पूजन मंगलवार को सवा ग्यारह बजे श्री श्याम मंदिर के अंजनी हॉल में किया गया। इस अवसर पर सभी कन्याओं की पूजा की गयी एवं उन्हें प्रसाद परोसा गया। ट्रस्ट द्वारा सभी कन्याओं को दक्षिणा के साथ जीवन उपयोगी सामान भी दिया गया। ट्रस्ट द्वारा नवरात्री के पूजा-पाठ की पूर्णाहुति के अवसर पर बुधवार को मंदिर प्रांगण में हवन भी किया जाएगा।